- 17th Year
- Issue: 326
- 16.04.2024 (TUESDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक

# कलिंग समाचार

The kalingasamachar

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From Rourkela

## चुनावी बांड खत्म करने पर बोले मोदी, हर कोई पछताएगा, राहुल ने पीएम को बता दिया मास्टरमाइंड

नयी दिल्ली १५/०४ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को विपक्षी दलों पर चुनावी बांड योजना पर ष्झूठ फैलानेष् का आरोप लगायाए जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। एएनआई के साथ एक साक्षात्कार मेंए प्रधान मंत्री ने कहा कि देश को चुनावों में ष्काले धनष् की ओर धकेल दिया गया है और हर किसी को इसका अफ्सोस होगा। उन्होंने कहा कि मैं कभी नहीं कहता कि निर्णय लेने में कोई कमी नहीं है। हम चर्चा करके सीखते हैं और सुधार करते हैं। मोदी ने साफ तौर पर कहा कि इसमें भी सुधार की काफी गुंजाइश है। लेकिन आज हमने देश को पूरी तरह से काले धन की ओर धकेल दिया हैए इसलिए मैं कहता हूं कि हर किसी को इसका पछतावा होगा। जब वे ईमानदारी से सोचेंगे तो

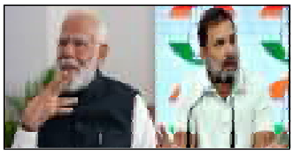

सबको पछताना पड़ेगा। चुनावी बांड योजनाए जिसे सरकार द्वारा 2 जनवरीए 2018 को अधिसूचित किया गया थाए को राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता लाने के प्रयासों के तहत राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले नकद दान के विकल्प के रूप में पेश किया गया था। मोदी के बयान पर पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि चुनावी बॉन्ड में अहम चीज है. नाम और तारीख। अगर आप नाम और तारीखें देखेंगे तो आपको पता चल जाएगा कि जब उन्होंने ;दानदाताओं नेद्ध चुनावी बांड दिया थाए उसके तुरंत बाद उन्हें अनुबंध दिया गया था या उनके खिलाफ सीबीआई जांच वापस ले ली गई थी। प्रधानमंत्री पकड़े गए हैं इसलिए एएनआई को इंटरव्यू दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह दुनिया की सबसे बड़ी जबरन वसूली योजना है और पीएम मोदी इसके मास्टरमाइंड हैं। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री से यह समझाने को कहें कि एक दिन सीबीआई जांच शुरू होती है और उसके तुरंत बाद उन्हें पैसे मिलते हैं और उसके तुरंत बाद सीबीआई जांच खत्म कर दी जाती है। बड़े ठेकेए बुनियादी ढांचे के ठेके. कंपनी पैसा देती है और उसके तुरंत बाद उन्हें पैसा दे दिया जाता है। सच तो यह है कि यह जबरन वसूली है और पीएम मोदी ने इसका मास्टरमाइंड किया है। 15 फरवरी कोए सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में अधिसूचित चुनावी बांड योजना को असंवैधानिक करार दिया और भारतीय स्टेट बैंक और भारतीय चुनाव आयोग से अप्रैल 2019 से खरीदे और भुनाए गए बांड के सभी विवरणों का खुलासा करने को कहा। अदालत ने कहा कि चुनावी बांड योजना के तहतए सत्तारूढ़ दल लोगों और संस्थाओं को योगदान देने के लिए मजबूर कर सकते हैं और केंद्र के इस तर्क को षगलतष् कहकर खारिज कर दिया कि यह योगदानकर्ता की गोपनीयता की रक्षा करता है जो गुप्त मतदान प्रणाली के समान है।

## मुस्लिम वोटर्स को लुभाने की कोशिश में उद्धव ठाकरे

मुंबई १५/०४ (संवाददाता): लोकसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में उद्धव ठाकरे ने माहिम में मुस्लिम भाइयों से मुलाकात की है। ये बैठक शिवसेना भवन में आयोजित की गई है। उद्धव ठाकरे ने माहिम में मुस्लिम समुदाय से समर्थन मांगा है। उद्धव ठाकरे ने मुस्लिम भाइयों से अपील की है कि वे पहले जो कुछ हुआ उसे भूल जाएं और देश और संविधान को बचाने के लिए एक साथ आएं। महाविकास अघाड़ी में उद्धव ठाकरे के शामिल होने के बाद से बड़ी सं या में मुस्लिम समुदाय शिवसेना ठाकरे समूह के पक्ष में नजर आ रहे हैंए इसलिए उद्धव ठाकरे ने इन मतदाताओं से बात कर उनका समर्थन मांगा है।बताया जा रहा है कि इस बैठक में मुस्लिम समुदाय के साथ कई विषयों पर चर्चा हुई।

## अभी तिहाड़ में रहेंगे केजरीवाल, दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 23 अप्रैल तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नयी दिल्ली १५/०४ (संवाददाता): दिल्ली की एक अदालत ने अब समाप्त हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति से संबंधित धन शोधन मामले में सोमवार को मु यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की अदालत द्वारा उन्हें 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजने के कुछ घंटों बाद 1 अप्रैल को दोपहर में उन्हें तिहाड़ जेल भेज दिया गया। इससे पहले दिन मेंए मामले में सह.आरोपीए बीआरएस नेता के कविता की हिरासत भी 23 अप्रैल तक बढ़ा दी गई थी। प्रवर्तन निदेशालय ने 21 मार्च को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति के संबंध में केजरीवाल को गिर तार किया थाए ने पहले विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की राउज़ एवेन्यू अदालत को बताया था कि वह ष्पूरी तरह से असहयोगीए टालमटोल करने वाले थेए पूछताछ के दौरान उन्होंने

भ्रामक जवाब दिए। अपने पहले के रिमांड आवेदन में ईडी ने आरोप लगाया था कि दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति में बदलाव के बाद प्राप्त रिश्वत का इस्तेमाल गोवा विधानसभा चुनावों के लिए आप के अभियान को वित्तपोषित करने के लिए किया गया था। एजेंसी ने केजरीवाल को कथित घोटाले का श्किंगपिन और मु य साजिशकर्ता कहा। ईडी ने गिर तारी से पहले केजरीवाल सहित चार सेलफोन जब्त किए थे। सूत्रों ने बताया कि मु यमंत्री ने अपना आईफोन बंद कर दिया है और उसका पासवर्ड अपने पूछताछकर्ताओं के साथ साझा नहीं किया है। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसारए केजरीवाल ने कहा कि अगर ईडी को उनके फोन डेटा और चैट तक पहुंच मिलेगी तो उन्हें आप की चुनाव रणनीति और चुनाव पूर्व गठबंधनों का विवरण मिल जाएगा। इस बीचए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय एजेंसी द्वारा अपनी गिर तारी को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका पर सोमवार को ईडी को नोटिस जारी किया। शीर्ष अदालत ने ईडी से जवाब मांगा और मामले को 29 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया।

## 17 तारीख उनका दंगा करने का दिन है, ममता बनर्जी ने बीजेपी पर साधा निशाना, कहा-सुबह गोमूत्र, दोपहर गोबर...

कोलकाता १५/०४ (संवाददाता):पश्चिम बंगाल की मु यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को भाजपा पर तीखा हमला बोला और दावा किया कि जब तक मौजूदा सरकार को सत्ता से बाहर नहीं किया जाएगा तब तक लोकतंत्र का सार खतरे में पड़ जाएगा। कूचबिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने यह भी दावा किया कि भाजपा लोगों के खाने और सोने की आदतों को निर्देशित करेगीए उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि वह व्यक्तियों की स्वतंत्रता के लिए खतरा मानती हैं। उन्होंने कहा कि वे ;भाजपाद्ध तय करेंगे कि आप क्या खाएंगे। वे आपको सुबह की चाय के साथ गौमूत्र पीने और दोपहर के भोजन के लिए गोबर खाने के लिए कहेंगे। उनका लक्ष्य आपके जीवन के हर पहलू को नियंत्रित करना है। आप क्या खाते हैं से लेकर आप

कैसे सोते हैं। ममता बनर्जी की टिप्पणी राष्ट्रीय जनता दल ;राजदद्ध नेता तेजस्वी यादव के मछली फ्राई का आनंद लेने के एक वीडियो पर चल रहे विवाद के बीच आई हैए जिसने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा नेताओं की नाराजगी बढ़ा दी है। यदि आप देश की स्वतंत्रता की रक्षा करना चाहते हैंए तो भाजपा को ;सत्ता सेद्ध हटा दें। तभी देश स्वतंत्र रहेगा। यदि यह पार्टी आगामी चुनाव जीतती हैए तो भविष्य में देश में कोई चुनाव नहीं होगा। यह एक निरंकुश सरकार। वे देश में एक नेताए एक राष्ट्रए एक भाषण एक भोजन चाहते हैं।

इसके अलावाए बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा 17 अप्रैल को रामनवमी के अवसर पर हिंसा और दंगे भड़काने की कोशिश करेगी। उन्होंने अपनी भगवा विचारधारा के साथ हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों में घुसपैठ की है। उनका एजेंडा संघर्ष और अराजकता को कायम रखना है। मैं सभी से शांति और एकता बनाए रखने का आग्रह करता हूं। आइए हम उनके हाथों में न खेलें। इसके बजायए हम इस दिन को एक प्रतीक के रूप में मनाएं।

## आम आदमी पार्टी एकजुट है, केजरीवाल से मुलाकात के बाद बोले भगवंत मान

१५/०४ (संवाददाता): पंजाब के मु यमंत्री भगवंत मान और आप के राष्ट्रीय महासचिव डॉण् संदीप पाठक ने सोमवार को दिल्ली के मु यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जेल में मुलाकात की। उनकी मुलाकात करीब 30 मिनट तक चली। इस बीच जेल में अरविंद केजरीवाल के साथ हुए दुर्व्यवहार को देखकर भगवंत मान भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि मु यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ जेल में आतंकवादियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है। हमें शीशे से फोन पर बात करने को कहा जाता थाए शीशा भी बहुत गंदा थाए हम एक दूसरे का चेहरा भी साफ नहीं देख पा रहे थे। अरविंद केजरीवाल का एकमात्र दोष यह है कि उन्होंने स्कूल और अस्पताल बनवाए और लोगों के लिए बिजली और पानी मु त कर दिया। इसीलिए उन्हें गंभीर अपराधियों को मिलने वाली सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। इसके साथ ही डॉण् संदीप

पाठक ने कहा कि अरविंद केजरीवाल हमेशा दिल्ली और पंजाब के लोगों का हाल.चाल पूछते हैं। उन्होंने सवाल किया कि लोगों को मु त बिजलीए पानीए इलाज और महिलाओं के लिए मु त बस सेवा मिल रही है या नहीं अगले सप्ताह से वह दोनों मंत्रियों को जेल बुलाकर उनके विभागों का जायजा लेंगे। सोमवार को दिल्ली के मु यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जेल में मुलाकात के बाद पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि हमारी आधे घंटे तक मुलाकात हुई. जैसे ही मैं उनसे मिला तो मुझे यह देखकर बहुत दुख हुआ कि मु यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सबसे बड़े अपराधियों जैसी सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं।

## भारत के पास दुश्मन के इलाके पर हमला करने की ताकत-राजनाथ

नयी दिल्ली १५/०४ (संवाददाता): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ज मू.कश्मीर की सभी सीटों पर भारतीय जनता पार्टी जीतेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व के अधिकांश देश कोविड के संकट से प्रभावित थे। भारत की हालत तो ये थी कि यहां पर कोविड के संकट से निजाद दिलाने के लिए हमारे पास वैक्सीन नहीं थी। आज मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि भारत में शायद ही ऐसा कोई नागरिक हो जिसे कोविड की दो या तीन डोज नहीं लगी होगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत हर मोर्चे पर दुनिया का सबसे मजबूत देश बनकर उभरा है। हमने 28 सितंबर को सर्जिकल स्ट्राइक के जरिए अपनी ताकत साबित की। उन्होंने कहा कि ज मू.कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंसए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और

कांग्रेस जैसे क्षेत्रीय दलों ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए अनुच्छेद 370 का दुरुपयोग किया। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि मैंने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की कश्मीर में बर्फ से खेलते हुए तस्वीरें देखीं।

अगर अनुच्छेद 370 अभी भी वहां होता तो वे बर्फ से कैसे खेल सकते थेघ् महबूबा मु ती ने एक बार कहा था कि श्खून की नदियां बहंगी ज मू.कश्मीर में अगर धारा 370 जाएगी। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि ज मू.कश्मीर में खून की नदियां नहींए विकास और समृद्धि के साथ दूध और पानी की धाराएं बहेंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर अनुच्छेद 370 हट जाएगा तो ज मू.कश्मीर में कोई भी शितरंगाश् नहीं उठाएगाए लेकिन आज हर घर और सरकारी भवन में तिरंगा ऊंचा लहरा रहा है। भाजपा के संकल्प पत्र में प्रधान मंत्री मोदी ने 70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को मु त इलाज में शामिल करने का आश्वासन दिया हैए चाहे वे किसी भी आय वर्ग के हों। पीएम मोदी के अलावा और कौन ऐसा कर सकता है।

## पहले चरण की वोटिंग से पहले ईसीआई का बड़ा एक्शन, 4650 करोड़ रुपये जब्त किये

१५/०४ (संवाददाता): भारतीय चुनाव आयोग ;ईसीआई ने सोमवार को घोषणा की कि वह लोकसभा चुनाव के इतिहास में ष्प्रलोभन की अब तक की सबसे बड़ी बरामदगी दर्ज करने की राह पर है। पहले चरण का मतदान शुरू होने से पहले ही प्रवर्तन एजेंसियों ने पहले ही 4650 करोड़ की रिकॉर्ड जब्ती कर ली थीए जो कि ष्2019 में पूरे लोकसभा चुनाव के दौरान जब्त की गई 3475 करोड़ की तुलना में एक महत्वपूर्ण वृद्धि है.

जैसा कि विज्ञप्ति में कहा गया है। चुनाव आयोग ने कहा कि बढ़ी हुई बरामदगीए विशेष रूप से छोटे और कम संसाधन

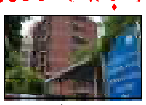

वाले दलों के पक्ष में समान अवसर के लिए प्रलोभनों पर नजर रखने और चुनावी कदाचार पर अंकुश लगाने के लिए ईसीआई की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि 45 प्रतिशत बरामदगी ड्रग्स और नशीले पदार्थों की हैए जिन पर आयोग का विशेष ध्यान है।

व्यापक योजनाए सहयोग बढ़ाने और एजेंसियों की ओर से एकीकृत निरोध कार्रवाईए सक्रिय नागरिक भागीदारी और प्रौद्योगिकी के इष्टतम जुड़ाव से जब्ती संभव हुई है।

आयोग ने विभिन्न राज्यों पर डेटा भी जारी कियाए जिसमें जब्त किए गए प्रलोभनों के वितरण का विवरण दिया गया। लगभग 778 करोड़ की ज़ब्ती के साथ राजस्थान सूची में सबसे आगे हैए उसके बाद ?605 करोड़ के साथ गुजरात और लगभग 431 करोड़ के साथ महाराष्ट्र है। मु य चुनाव आयुक्त ;सीईसीद्ध राजीव कुमार ने पिछले महीने चुनावों की घोषणा करते हुए पैसाए बाहुबलए गलत सूचना और आदर्श आचार संहिता उल्लंघन सहित श4डश् चुनौतियों में से एक के रूप में मनी पावर पर जोर दिया था।

## पीएम मोदी ने पूर्वोत्तर में लाया शांति और सद्भाव-अमित शाह

१५/०४ (संवाददाता): केंद्रीय गृह मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह, जो लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के अभियान को आगे बढ़ाने के लिए मणिपुर के इंफाल में हैंए ने कहा कि आगामी चुनाव भाजपा और कांग्रेस के बीच नहीं हैंए बल्कि उन लोगों के बीच जो हिंसाग्रस्त राज्य में लोगों को बांटना चाहते हैं और भाजपाए जो इसे बचाना चाहती है। सोमवार को इ फाल में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहाए ष्सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कोई कितनी भी कोशिश कर ले. श्हम मणिपुर को टूटने नहीं देंगे।ष

अमित शाह ने कहा कि

जल्द ही लोकसभा चुनाव शुरू हो जायेंगे। हमें मोदी जी को फिर से अपना प्रधानमंत्री बनाना होगा।श् यह चुनाव बीजेपी और कांग्रेस के बीच नहीं हैण् बल्किए यह उन लोगों के बीच है जो मणिपुर को विभाजित करना चाहते हैं और भाजपाए जो मणिपुर की रक्षा करना चाहती है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों मेंए मोदी जी ने न केवल भारत को समृद्ध बनाया है बल्कि भारत की सुरक्षा को भी बढ़ाया है। मोदी जी ने 75 वर्षों से उग्रवाद और नक्सलवाद से जूझ रहे पूर्वोत्तर में शांति और सद्भाव लाया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर आये हैं। 80 करोड़ गरीबों को मु त राशन मिला है। 10 करोड़ गैस सिलेंडर वितरित किये जा चुके हैं। 14 करोड़ परिवारों को नल जल कनेक्शन मिल चुका है। उन्होंने कहा कि मोदी जी का मानना है कि पूर्वोत्तर आगे बढ़ेगा तो देश आगे बढ़ेगा। भारत विकसीत तब बनेगा जब मणिपुर विकसीत बनेगा।गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने मणिपुर में सद्भाव लाने और पूर्वोत्तर से नक्सलवाद को उखाड़ फेंकने के लिए विभिन्न संगठनों के साथ विभिन्न शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। हमने पूर्वोत्तर में एएफएसपीए प्रभावित क्षेत्रों को कम कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय में मणिपुर में नाकेबंदी थी। उन्होंने उग्रवाद से आंखें मूंदकर मणिपुर की जनसांयिकी को बदलने की साजिश रची। मोदी सरकार मणिपुर. यांमार सीमा पर बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाएगी। हमने इसके लिए काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार ने मणिपुर को क्या दियाघ् 10 साल तक कांग्रेस ने मणिपुर के विकास के लिए 39000 करोड़ रुपये आवंटित किए। वहींए मोदी जी ने इसे 4 गुना बढ़ाकर 200 करोड़ रुपये आवंटित कियेण् मणिपुर के लिए 120000 करोड़, मणिपुर को 75 साल में पहली बार अपना मालगाड़ी नेटवर्क मिला। उन्होंने कहा कि हम मणिपुर को टूटने नहीं देंगे! मैं आपसे अपील करना चाहता हूं कि आप हमारे उ मीदवार को वोट दें और मणिपुर के बेहतर भविष्य के लिए हमें अब तक का सर्वोच्च जनादेश दें।


Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/

# विविध समाचार

## विपक्ष ने फूट के कारण अपनी ताकत खो दी, कांग्रेस में कई संगठनात्मक समस्याएं हैं, जिन्हें दूर करने की जरूरत–अमर्त्य सेन

कोलकाता १५/०४ (संवाददाता): अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार से समानित अमर्त्य सेन ने कहा कि भारत में विपक्ष ने फूट के कारण अपनी अधिकांश ताकत खो दी है और कांग्रेस में कई संगठनात्मक समस्याएं हैंए जिन्हें दूर करने की जरूरत है। सेन ने कहा कि जाति जनगणना पर विचार किया जा सकता हैए लेकिन भारत को बेहतर शिक्षाए स्वास्थ्य देखभाल और लैंगिक समानता के माध्यम से वंचितों के लिए अधिक सशक्तीकरण की आवश्यकता है।

प्र यात अर्थशास्त्री ने कहा कि उन्हें भारत जैसे लोकतांत्रिक देश का नागरिक होने पर ष्काफी गर्वष् हैए लेकिन ष्देश की लोकतांत्रिक प्रकृति को बढ़ाने के लिए कठिन मेहनतष् करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन ष्इंडियाष् ;इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंसद्ध ज्यादा लोकप्रियता हासिल करने में नाकाम हो गयाए क्योंकि जनता दल ;यूनाइटेडद्ध और राष्ट्रीय लोक दल जैसे उसके महत्वपूर्ण सहयोगी अलग हो गए। यह पूछने पर कि भाजपा का मुकाबला करने में विपक्ष के पास किस चीज की कमी हैए इस पर उन्होंने कहाए ष्भारत में विपक्ष ने फूट के कारण अपनी अधिकांश ताकत खो दी है। एकता से उसे और अधिक ताकत मिलती। सेन ने कहा कांग्रेस में कई संगठनात्मक समस्याएं हैंए जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। पार्टी के महान इतिहास से उसे प्रेरणा लेनी चाहिए।ष् उन्होंने भारतीय जनता पार्टी ;भाजपाद्ध.नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ;राजगद्ध सरकार की आर्थिक नीतियों को लेकर उसकी भी आलोचना की। सेन ने दावा किया कि व्यापक निरक्षरता और असाधारण लैंगिक असमानता के कारण भारत में गरीबों के लिए प्रगति करना कठिन हो गया है। उन्होंने कहाए ष्भारत के शासक वर्ग अमीरों के हितों का ध्यान रखते हैं। व्यापक निरक्षरताए आमतौर पर खराब स्वास्थ्य और असाधारण लैंगिक असमानता भारतीय गरीबों के लिए प्रगति का रास्ता मुश्किल बना देती है।ष्

विपक्ष के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि भाजपा सत्ता में लौटने पर संविधान बदल सकती हैए इस पर सेन ने कहा कि देश का संविधान बदलने से सरकार के ष्एकल धर्म केंद्रितष् होने की पुष्टि के अलावा कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इससे भारत के आम नागरिकों को फायदा नहीं होगा। विपक्ष द्वारा जाति जनगणना को महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दा बनाने पर सेन ने कहा कि भारत को अपने वंचित वर्गों के लिए अधिक सशक्तीकरण की आवश्यकता है। उन्होंने कहाए ष्जाति जनगणना पर विचार किया जा सकता हैए लेकिन भारत को बेहतर शिक्षाए स्वास्थ्य देखभाल और लैंगिक समानता के माध्यम से वंचितों के लिए अधिक सशक्तीकरण की आवश्यकता है।ष्

यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण और नागरिकता ;संशोधनद्ध अधिनियम लागू करके बहुसं यक हिंदुओं को एकजुट कर आर्थिक प्रदर्शन के बारे में कथित असंतोष से निपट पाएगीए 90.वर्षीय प्रोफेसर ने कहा कि ऐसा विचार देश की धर्मनिरपेक्ष जड़ों और बहुसांस्कृतिक प्रकृति के साथ विश्वासघात होगा। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में प्रोफेसर सेन ने कहाए ष्भारत धर्मनिरपेक्ष संविधान के साथ एक धर्मनिरपेक्ष देश हैए लेकिन केवल हिंदू पहचान पर ध्यान केंद्रित कर अधिकांश हिंदुओं के लिए आसान हो सकता है परंतु यह भारत की धर्मनिरपेक्ष जड़ों और बहुसांस्कृतिक प्रकृति के साथ विश्वासघात है।

## भाजपा की नीति और नियत को समझें और अपने विवेक से वोट दें–प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली १५/०४ (संवाददाता): भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी लोकसभा चुनाव 2024 के प्रचार के लिए रविवार को राजस्थान के जालोर पहुंचीं। यहाँ उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहाए श्जालौर आकर खुशी और गर्व महसूस होता है। जालौर कर्मठ लोगों की धरती है। आप सभी के लिए हमारे मन में बहुत आदर है। यहां कांग्रेस की सरकार थीए आप काम से खुश थे। कुछ गिले.शिकवे भी थे और आपने सरकार बदली। फिर क्या हुआए कांग्रेस सरकार की लगभग योजनाएं बंद कर दी गईं। इसलिए आज मैं चाहती हूं कि आप सभी आने वाले चुनाव में अपने विवेक से वोट दें। जालौर आकर खुशी और गर्व महसूस होता है। जालौर कर्मठ लोगों की धरती है। आप सभी के लिए हमारे मन में बहुत आदर है। यहां कांग्रेस की सरकार थीए आप काम से खुश थे। कुछ गिले.शिकवे भी थे और आपने सरकार बदली। फिर क्या हुआ. कांग्रेस सरकार की लगभग योजनाएं बंद कर दी गईं। प्रियंका गांधी ने भाजपा और पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी जी जनता का ध्यान भटकाने की बातें करते रहते हैं। राजस्थान आकर बोल दिया. जन.जन के आराध्य बाबा रामदेव सा का जन्म कश्मीर में हुआ था। कभी गटर से गैस बनाते हैंए कभी रडार से मिसाइल को बचाने में बादल का रोल बताते हैंए कभी तब ईमेल भेजने की बात कहते हैंए जब ईमेल बना ही नहीं था और कभी मांस.मछली की बात करते हैंए आखिर इन बातों से जनता की जरूरतों का क्या मतलब है? मोदी सरकार पर सवाल उठाते हुए प्रियंका गांधी ने कहा मोदी सरकार में महंगाई और बेरोजगारी बहुत बढ़ गई है। लेकिन अब चुनाव आ रहा हैए तो मोदी जी रसोई गैस सिलेंडर के दाम कम करने की बातें कर रहे हैं। जब मेरी बहनें महंगा रसोई गैस सिलेंडर नहीं भरवा पा रही थीं.. तब मोदी जी कहां थे?

## तिरुवल्लुवर के सहारे साउथ को साधेगी बीजेपी, जानें कौन थे ये जिनका जिक्र अपने चुनाव घोषणापत्र में किया है?

नयी दिल्ली १५/०४ (संवाददाता): लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के घोषणापत्र श्मोदी की गारंटी 2024श् में श्विश्व बंधु भारत के लिए मोदी की गारंटीश् शीर्षक वाले अध्याय में कहा गया है कि हम भारत की समृद्ध संस्कृति को प्रदर्शित करने और प्रशिक्षण देने के लिए दुनिया भर में तिरुवल्लुवर सांस्कृतिक केंद्र स्थापित करेंगे। योगए आयुर्वेदए भारतीय भाषाएंए शास्त्रीय संगीत आदि। हम लोकतंत्र की जननी के रूप में सहस्राब्दियों से चली आ रही भारत की समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं को बढ़ावा देंगे। तिरुवल्लुवर की विरासत पर दावा करने का प्रयास कई वर्षों से तमिलनाडु में भाजपा के राजनीतिक प्रयास का हिस्सा रहा है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को तमिलनाडु की सभी 39 सीटों पर मतदान होगा। तिरुवल्लुवर की ऐतिहासिकता अनिश्चित है। जिस अवधि के दौरान वह रहते थेए उस पर बहस होती हैए साथ ही उनकी धार्मिक संबद्धता पर भी।कुछ विवरण उसे तीसरी या चौथी शताब्दी ईण्पूण् का बताते हैंय अन्य लोग उसे लगभग 500 वर्ष बादए 8वीं या 9वीं शताब्दी का बताते हैं। उनकी पहचान हिंदू और जैन संत दोनों के रूप में की गई हैए जबकि द्रविड़ समूह उन्हें एक ऐसे संत के रूप में मानते हैं जिनकी द्रविड़ जड़ों के अलावा कोई धार्मिक पहचान नहीं है। पद्य में नैतिक सूत्रों का एक संग्रह जिसका श्रेय तिरुवल्लुवर को दिया जाता हैए उन्हें इसके लेखक के रूप में नामित नहीं किया गया।

तिरुवल्लुवर जिन्हें तमिल लोग प्यार से वल्लुवर कहते हैंए लंबे समय से एक तमिल सांस्कृतिक और नैतिक प्रतीक के रूप में माने जाते हैंए जिन्हें तमिल लोग जाति और धर्म की सीमाओं से ऊपर उठकर एक प्राचीन संतए कवि और दार्शनिक के रूप में पूजते हैं। श्थिरुक्कुरलश्ए 1ए330 दोहों ;तमिल में श्कुरालश्द्ध का एक संग्रहए हर तमिल घर का एक अनिवार्य हिस्सा है . उसी तरहए जैसेए भगवद गीता या रामायणध्रामचरितमानस पारंपरिक उत्तर भारतीय हिंदू घरों में हैं। तमिलों के लिए उनकी सांस्कृतिक जड़ों का पता लगाने में एक आवश्यक एंकर हैंय तमिलों को उनके दोहे को शब्द.दर.शब्द सीखना और अपने दैनिक जीवन में उनकी शिक्षाओं का पालन करना सिखाया जाता है।

## मोदी ने कांग्रेस से पूछा–सनातन के खिलाफइतना जहर उगलने वालों के साथ की क्या मजबूरी?

नयी दिल्ली १५/०४ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कई मुद्दों पर खुलकर बात की और कहा कि उनके पास देश के लिए शानदार योजनाएं हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के साथ एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि किसी को डरने की जरूरत नहीं है और इन फैसलों का उद्देश्य देश का समग्र विकास करना है। तथाकथित श्उत्तर.दक्षिण विभाजनश् पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत को टुकड़ों में देखना भारत के प्रति नासमझी का परिणाम है। अगर आप हिंदुस्तान में देखें प्रभु राम के नाम से जुड़े हुए गांव सबसे ज्यादा कहां हैंघ् तो वह तमिलनाडु में है। अब आप इसको कैसे अलग कर सकते हैं। विविधता हमारी ताकत हैए हमें इसका जश्न मनाना चाहिए।

डीएमके की हालिया श्सनातन विरोधीश् टिप्पणी और उस पर जनता के आक्रोश पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस से पूछा जाना चाहिए कि सनातन के खिलाफ इतना जहर उगलने वाले लोगों के साथ बैठना उनकी क्या मजबूरी है? कांग्रेस की मानसिकता में ये कौन सी विकृति है। कांग्रेस के आरोप पर कि 400 पार से संविधान रद्द हो जाएगा पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जो व्यक्ति न्छ में जाकर दुनिया की सबसे पुरानी भाषा तमिल भाषा का गुणगान करता हैएकिस आधार पर उस व्यक्ति पर आप ऐसे आरोप कैसे लगा सकते हैंघ् समस्या उनमें ;विपक्षद्ध है वे देश को एक ही सांचे में ढालना चाहते हैं। हम विविधता की पूजा करते हैंण्ण्ण्हम इसका जश्न मनाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मेरे पास बड़ी योजनाएं हैंण्ण्ण्किसी को डरने की ज़रूरत नहीं है। मेरे निर्णय किसी को डरानेए दबाने के लिए नहीं हैं। वे देश के समग्र विकास के लिए हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव हमारी प्रतिबद्धता हैण्ण्ण्कई लोगों ने समिति को अपने सुझाव दिए हैं। बहुत सकारात्मक और नवोन्मेषी सुझाव आए हैं। अगर हम इस रिपोर्ट को लागू कर पाए तो देश को बहुत फायदा होगा

## सबसे अधिक सीटों पर भाजपा, आजादी के बाद सबसे कम पर उतरेगी कांग्रेस

नयी दिल्ली १५/०४ (संवाददाता): लोकसभा चुनाव 2024 न केवल इसलिए खास है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के पहले पीएम और कांग्रेस के दिग्गज जवाहरलाल नेहरू के लगातार तीन लोकसभा चुनाव जीतने के रिकॉर्ड को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैंए बल्कि इसलिए भी खास हैं क्योंकि कुछ आंकड़े बताते हैं पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा की बढ़ती राजनीतिक ताकत और भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू करने के राहुल गांधी के प्रयासों के बावजूद कांग्रेस की घटती प्रवृत्ति जारी है।

सत्तारूढ़ दल भाजपा और कांग्रेस ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए लगभग सभी उ मीदवारों की घोषणा कर दी है। भारतीय जनता पार्टी ;बीजेपीद्ध ने अब तक 424 उ मीदवार मैदान में उतारे हैंण् इसके 446 सीटों पर चुनाव लड़ने की संभावना हैए जबकि पंजाबए महाराष्ट्रए उत्तर प्रदेशए ज मू.कश्मीरए पश्चिम बंगाल और लद्दाख की कुछ सीटों की घोषणा बाकी है। यह पांचवीं बार है जब भगवा पार्टी ने लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक उ मीदवार उतारे हैं।

भाजपा ने 1984-1985 के लोकसभा चुनावों में 229 उ मीदवार, 1989 में 225, 1991-92 के चुनावों में 477, 1996 में 471,1998 में 388, 1999 में 339,2004 में 364, 2009 में 433, 2014 में 428, 2019 में 436 उमीदवार उतारे। भाजपा ने अब तक 428 सीटों पर उ मीदवार उतार दिए हैं। पार्टी 22 और उमीदवारों की घोषणा कर सकती है, जिनमें पंजाब की 7 सीटें, महाराष्ट्र की 6 सीटेंए उत्तर प्रदेश की 4 सीटें, ज मू.कश्मीर की 3 सीटें और पश्चिम बंगाल और लद्दाख की एक.एक सीट शामिल है।

दूसरी ओरए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ;प्छब्द्ध ने अब तक 280 उ मीदवार मैदान में उतारे हैं। पंजाब, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, तेलंगाना,उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और लद्दाख की कुछ सीटों की घोषणा के साथ इसके 325 से 330 सीटों के बीच चुनाव लड़ने की संभावना है।

## बीजेपी–कांग्रेस नहीं, अब दिल्ली में दो बिहारियों की फाइट, मामला हो सकता है टाइट

नयी दिल्ली १५/०४ (संवाददाता):राजनीतिक कार्यकर्ता कन्हैया कुमार उत्तर पूर्वी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा सांसद मनोज तिवारी के खिलाफ आगामी लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। कन्हैया कुमार को लेकर अब चर्चा तेज हो गई है। ष्टुकड़े.टुकड़े गैंगष् फिर सुर्खियों में आ गया है। कन्हैया कुमार बिहार से टिकट चाहते थे लेकिन पार्टी ने उन्हें उत्तर पूर्वी दिल्ली से चुनावी मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने उ मीदवारों की एक नई सूची जारी कीए जिसमें पंजाबए दिल्ली और उत्तर प्रदेश से 10 उ मीदवारों के नाम शामिल हैं। पार्टी ने जेपी अग्रवाल को चांदनी चौक सीट से अपना उ मीदवार बनाया हैए जबकि पूर्व सांसद उदित राज को उत्तर पश्चिम दिल्ली.एससी सीट से मैदान में उतारा है। कुमार जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष हैंए जिन्होंने पहली बार 2016 में विरोध प्रदर्शन के दौरान हलचल मचाई थी। उन्हें परिसर में ष्देश.विरोधीष् नारे लगाने के लिए उस समय गिर तार किया गया था ;और बाद में रिहा कर दिया गया थाद्ध। उन्होंने सीपीआई के टिकट पर बेगुसराय से 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ा था लेकिन भाजपा के गिरिराज सिंह से हार गए थे। कुमार सितंबर 2021 में कांग्रेस में शामिल हुए। वह जल्द ही कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पार्टी की छात्र शाखाए नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफइंडिया के प्रभारी बन गए। प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के किसी भी पूर्व छात्र ने शायद हाल ही में कन्हैया कुमार के रूप में इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं की हैए जबकि उनके आलोचकों ने उन्हें ष्टुकड़े.टुकड़े गैंगष् से जोड़ा है। यह शब्द अलगाववाद के कथित समर्थकों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी . इंडिया ब्लॉक के दोनों सदस्य सीट.बंटवारे समझौते के तहत चुनाव लड़ रहे हैं। आप ने चार सीटों पर उ मीदवार उतारे हैं जबकि कांग्रेस तीन लोकसभा क्षेत्रों पर चुनाव लड़ रही है। दिल्ली में 25 मई को मतदान होना है और वोटों की गिनती 4 जून को होगी।उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से अपनी उ मीदवारी पर कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने कहा कि मैं दिल्ली की जनता और प्रदेश कांग्रेस कमेटीए सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और नेतृत्व को धन्यवाद देना चाहता हूंण्ण्ण् इस फैसले से देश को संदेश जाएगा कि हम लोकसभा चुनाव मजबूती के साथ लड़ रहे हैंण्ण्ण् हम न्याय के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। उत्तर पूर्वी दिल्ली से उनके खिलाफ कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार की उ मीदवारी पर बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि मैं भाजपा उ मीदवार के रूप में लोगों से मिल रहा हूं और अपने काम के आधार पर वोट मांग रहा हूं। किसी को मेरे खिलाफ आना ही था लेकिन कांग्रेस की मानसिकता ने लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया है।श् क्या कांग्रेस पार्टी में देश की सेना और संस्कृति का स मान करने वाला कोई नहीं हैए जिसे वे टिकट दे सकें? जो भी ;उत्तर.पूर्वी दिल्लीद्ध आएंगे वे 40 दिन के दौरे पर हैं और वे हमारे क्षेत्र में किए गए 14600 करोड़ रुपये के काम को जरूर देखेंगे।

## मोदी का चॉपर भी तो चेक करो–सुप्रिया श्रीनेत

नयी दिल्ली १५/०४ (संवाददाता): चुनाव आयोग के उड़न दस्ते के अधिकारियों ने सोमवार को तमिलनाडु के नीलगिरी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को ले जा रहे एक हेलीकॉप्टर की जांच की। पुलिस ने बताया कि हेलीकॉप्टर के नीलगिरी में उतरने के बाद उड़नदस्ते के अधिकारियों ने तलाशी ली। राहुल गांधी अपने संसदीय क्षेत्र केरल के वायनाड जा रहे थेए जहां उनकी कई प्रचार गतिविधियां हैंए जिनमें सार्वजनिक बैठकें भी शामिल हैं। राहुल गांधी लगातार कार्यकाल की तलाश में वायनाड से 26 अप्रैल का लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। राहुल गांधी ने वायनाड में एक बड़ा रोड शो कियाण् वायनाड के सुल्तान बाथरी में हजारों पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक रोड शो के लिए पहुंचे।एक खुले वाहन से राहुल गांधी ने अपने और कांग्रेस पार्टी के समर्थन में नारे के बीच भीड़ की ओर हाथ हिलाया। कांग्रेस सांसद दो दिवसीय दौरे पर राज्य में पहुंचे और वह शाम को कोझिकोड में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ;यूडीएफद्ध की रैली भी करेंगे और अपने निर्वाचन क्षेत्र में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। केरलए जिसके सभी 20 निर्वाचन क्षेत्रों में 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में मतदान होना है। हाई.वोल्टेज राजनीतिक गतिविधियां देखी जा रही हैंए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी राज्य में प्रचार रैलियां कर रहे हैं।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND &CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/
Kalinga pg-2 for 16-APR.pmd 4/16/2024, 12:26 PM

# विविध समाचार

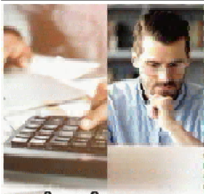

## अभी-अभी कमाना किया है शुरू, तो भूल से भी ना करें ये फाइनेंशियल मिसटेक्स

आज की यंग जनरेशन कम उम्र में ही अपने पैरों पर खड़ा होने की चाहत रखती है। शायद यही कारण है कि यंगस्टर्स पढ़ाई के साथ-साथ पार्ट टाइम जॉब या फिर फ्रीलांस वर्क करना पसंद करते हैं। यकीनन यह एक अच्छा ऑप्शन है। जब आप कमाना शुरू करते हैं तो आप आत्मनिर्भर बनते हैं। हालांकि आपके लिए सिर्फ पैसा कमाना ही काफी नहीं है, बल्कि आप उन पैसों को किस तरह हैंडल करते हैं, इस पर भी ध्यान दिया जाना उतना ही जरूरी है। अक्सर यह देखने में आता है कि जब यंगस्टर्स पैसा कमाना शुरू करते हैं तो उन्हें पैसा हैंडल करना नहीं आता है। जिसके कारण वे अपनी मेहनत की कमाई को यूं ही खर्च कर देते हैं या फिर कुछ मिस्टेक्स के कारण उन्हें फाइनेंशियल लॉस हो जाता है। तो चलिए, आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही फाइनेंशियल मिसटेक्स के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको बचने की कोशिश करनी चाहिए।

### बजट तय ना करना

यह एक कॉमन गलती है, जो अक्सर यंगस्टर्स कर बैठते हैं। दरअसल, जब यंगस्टर्स कमाना शुरू करते हैं तो उन पर अधिकतर पारिवारिक जिम्मेदारियां नहीं होती हैं। ऐसे में उनके द्वारा कमाए गए पैसे सिर्फ उनके ही होते हैं। कई बार वे पूरे महीने काम करके पैसे कमाते हैं और वीकेंड में उसे खर्च कर देते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। हमेशा एक बजट बनाएं जिससे आप जरूरत के अनुसार खर्च कर पाएं। साथ ही साथ, इमरजेंसी के लिए कुछ पैसे अवश्य अलग से रखें।

### इनवेस्टमेंट स्कीम को इग्नोर करना

अपनी कमाई के शुरुआती दिनों में लोग इनवेस्टमेंट की ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं देते हैं। जबकि यह समय इनवेस्ट करना काफी अच्छा माना जाता है। चूंकि इस समय आप रिस्क ले सकते हैं और पारिवारिक जिम्मेदारियां ना होने के कारण आपकी आय के एक बड़े हिस्से को निवेश कर सकते हैं। जिससे आपको अच्छे रिटर्न मिल सकते हैं।

### क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करना

अगर आपने अभी-अभी पैसे कमाना शुरू किया है तो तुरंत क्रेडिट कार्ड खरीदकर उसे इस्तेमाल करना शुरू ना करें। दरअसल, अभी आपने पैसों को सही तरह से संभालना नहीं सीखा है। ऐसे में अगर आपकी जेब में क्रेडिट कार्ड होगा तो आपके बेवजह पैसे खर्च करने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसलिए शुरुआत में कुछ वक्त डेबिट कार्ड ही इस्तेमाल करें। जब आप पैसों को सही ढंग से मैनेज करना सीख जाएं, तब क्रेडिट कार्ड लेने पर विचार करें।

### अपनी कमाई से ज्यादा खर्च करना

आपके लिए कपड़े, हॉलिडे और इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम्स आदि पर अत्यधिक खर्च करना आकर्षक हो सकता है। जब आपकी आमदनी इन गैर-जरूरी चीजों को कवर नहीं करती है, कुछ लोग लोन लेकर भी अपनी इन इच्छाओं को पूरा करने की कोशिश करते हैं। हालांकि, आपको ऐसा बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। आपको यह सीखना है कि अपनी क्षमता के भीतर कैसे रहना है, अपनी कमाई से अधिक खर्च नहीं करना है।

# भारत में पार्ट टाइम एजुकेशन

अपनी वर्तमान नौकरी छोड़ने के बिना, अध्ययन और पेशेवर विकास के तरीकों को अंशकालिक अध्ययन कार्यक्रमों को चुनने के लिए अतिरिक्त लाभ में ला सकते हैं। शिक्षा हर स्तर पर उपलब्ध है, आप एक सर्टिफिकेट प्रोग्राम, डिप्लोमा, बैचलर और मास्टर, डॉक्टरेट या पोस्ट डॉक्टरेट जैसी डिग्री के लिए जाना चुन सकते हैं।

अंशकालिक कार्यक्रमों को पूर्णकालिक कार्यक्रम के रूप में ही माना जाता है, हालांकि प्रवेश की आवश्यकताएं अलग हैं। उदाहरण के लिए एक अंशकालिक कार्यक्रम के लिए नामांकन करने के लिए आपको अपने वर्तमान नियोक्ता से अनुभव के प्रमाण पत्र का उत्पादन करने की आवश्यकता हो सकती है। इन कार्यक्रमों को मुख्य रूप से श्रमिक वर्ग के लोगों की शिक्षा में तेजी लाने और एक पूर्णकालिक कार्यक्रम में नामांकित छात्रों को पेशेवर प्रशिक्षण देने के लिए डिजाइन किया गया है। हालांकि, आपको नामांकन के लिए अनुभव प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होने वाले उम्मीदवार के लिए कई पाठ्यक्रम मिल सकते हैं।

कई छात्र विभिन्न कारणों से प्रारंभिक कार्य जीवन की शुरुआत करते हैं। यह एक ही समय में काम और पूर्णकालिक स्कूल को संतुलित करने के लिए चुनौतीपूर्ण है और इसकी एक परेशानी आपके काम का समय स्कूल के समय के साथ मेल खाता है। पूरी रात की कक्षाओं की उपलब्धता अभी भी केवल एक सपना है। पार्ट टाइम कार्यक्रम अक्सर देर शाम या सुबह जल्दी और सप्ताहांत में दिए जाते हैं ताकि कामकाजी वर्ग के लोगों की आवश्यकताओं के अनुरूप हो सके। काम करते हुए और एक साथ अध्ययन करते हुए आप अपने समय को अच्छी तरह से सीखते हैं, अतः आप अंशकालिक पाठ्यक्रम और काम की आवश्यकता को पूरा करने के लिए उपलब्ध हर दूसरे का उपयोग करते हैं। शुरुआती कुछ दिनों के लिए आप व्यस्त कार्यक्रम के कारण थकावट महसूस कर सकते हैं लेकिन आश्चर्यजनक रूप से बहुत जल्द ही आपको एहसास होगा कि आप कितना समय बर्बाद कर रहे हैं। यहां तक कि आपको सप्ताहांत में भी कक्षाओं के बावजूद खेलने और मौज-मस्ती के लिए आसानी से समय मिल जाएगा। वास्तव में, अंशकालिक पाठ्यक्रम उन लोगों के लिए आशीर्वाद हैं जो एक पूर्णकालिक पाठ्यक्रम या पूर्णकालिक नौकरी का पीछा करते हैं। एक अतिरिक्त प्रमाण पत्र का मतलब है कि आपके पाठ्यक्रम, कौशल और अगले साक्षात्कारकर्ता को आपसे मिलकर खुशी होगी। हमेशा पार्ट टाइम कोर्स के लिए जाएं जो भविष्य में रोजगारपरक हो, आपके कौशल को बढ़ाए और उद्योग तक आपकी पहुंच को बढ़ाए।

### अंशकालिक शिक्षा का अर्थ?

अंशकालिक शिक्षा / अंशकालिक अध्ययन कार्यक्रम या अंशकालिक पाठ्यक्रम का अर्थ है प्रति सप्ताह अपने अध्ययन के पाठ्यक्रम पर कुछ घंटे खर्च करना, यानि लगभग 20 से 30 घंटे में शिक्षा प्राप्त करना है। कभी-कभी अंशकालिक कक्षाएं रात या सप्ताहांत पर आयोजित की जाती हैं जो पूर्णकालिक काम करने वालों के लिए बनती हैं। पाठ्यक्रमों में कोई कमी नहीं है, तकनीकी और गैर-तकनीकी योग्यता दोनों विभिन्न संस्थानों, कॉलेजों विश्वविद्यालय विभागों द्वारा प्रदान की जाती हैं।

### अंशकालिक अध्ययन क्यों?

अंशकालिक अध्ययन लेने का सबसे बड़ा लाभ आपके काम या परिवार की प्रतिबद्धताओं के साथ आपकी पढ़ाई का प्रबंधन करने में सक्षम है। अंशकालिक अध्ययन जीवन के दो पहलुओं को संतुलित करने के लिए लचीलापन प्रदान करता है, और काम जारी रखने में सक्षम होने के अलावा और अपनी पढ़ाई के लिए धन अर्जित करने के वित्तीय लाभ देता है। कुछ प्रमुख लाभ हैं -

- अगर आप अपना करियर बदलना चाहते हैं या अपनी नौकरी की संभावनाओं को बढ़ाना चाहते हैं।
- आप अपने कैरियर की आकांक्षाओं से मेल खाने के लिए अपनी डिग्री को कस्टमाइज कर सकते हैं, जिसमें विभिन्न प्रकार के कोर्स मॉड्यूल शामिल हों।
- आप अपनी डिग्री को वित्त देने में मदद करने के लिए काम करना जारी रख सकते हैं।
- आपके मौजूदा करियर को आपकी पढ़ाई के जरिए बढ़ाया जा सकता है।
- यदि किसी कारण से पूर्णकालिक अध्ययन आपके लिए अनुपलब्ध है।
- जब आप डिग्री के कुछ सालों पर काम कर रहे हों तो आप पेशेवर योग्यता अर्जित कर सकते हैं।
- आपके पास बेहतर नौकरी की संभावनाओं के लिए कौशल बनाने के लिए बहुत सारे अवसर होंगे।

### एक ऐसा मोड चुनना जो आपको सूट करे

अधिक से अधिक विश्वविद्यालय अब परिसर में पूर्णकालिक के अलावा अन्य पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं। यह महत्वपूर्ण है कि इससे पहले कि आप एक कोर्स पर फैसला करें कि क्या एक वैकल्पिक अध्ययन मोड आपको बेहतर सूट कर सकता है। एक अध्ययन मोड का चयन करने का मतलब है कि आप परिसर में या घर पूर्णकालिक या आंशिक समय का चयन करेंगे या नहीं। अन्य अध्ययन मोड विभिन्न कारणों से अधिक आकर्षक हो सकते हैं, जिनमें शामिल हैं -

- एक आय / या कमाने के लिए काम करने की आवश्यकता है।
- अन्य कैरियर या पारिवारिक जिम्मेदारियां।
- विकलांगता।
- पार्ट टाइम बनाम फुल टाइम मोड।

अंशकालिक अध्ययन का मतलब है कि हर सेमेस्टर आप पूर्णकालिक पाठ्यक्रम की तुलना में कम इकाइयों का अध्ययन करते हैं। आप उन इकाइयों की संख्या में जोड़ सकते हैं, जिनका आप अध्ययन करते हैं और विश्वविद्यालय के जीवन में अधिक व्यवस्थित होने के लिए पूरा समय देते हैं। यदि आवश्यक हो तो आप एक सेमेस्टर या उससे अधिक समय तक अध्ययन करने वाली इकाइयों की संख्या में भी कटौती कर सकते हैं।

कुछ छात्रों को पूर्णकालिक पाठ्यक्रमों का प्रबंधन करना मुश्किल लगता है और शैक्षणिक वर्ष के दौरान उनके विषयों की संख्या में कटौती करनी पड़ती है। शुरू करने के बाद इस तरह के बदलाव करना निराशाजनक, महंगा और हतोत्साहित करने वाला हो सकता है। जहां एक मौका हो सकता है कि पूर्णकालिक अध्ययन आपके लिए संभव नहीं होगा, हम दृढ़ता से सुझाव देते हैं कि आप अंशकालिक अध्ययन के साथ शुरू करने पर विचार करें। इस तरह आपके पास बाद में अपने विषयों को बढ़ाने का विकल्प है और नकारात्मक संकेत के साथ अपना करियर शुरू करने से बचें।

### पार्ट टाइम कोर्स के फायदे

आप काम या अन्य प्रतिबद्धताओं के साथ अंशकालिक अध्ययन को संयोजित करना चाह सकते हैं, और इसलिए अपनी डिग्री खत्म करने में अधिक समय लेते हैं। यदि आप पेशेवर रूप से संबंधित डिग्री का अध्ययन कर रहे हैं, तो यह काम और अध्ययन को संयोजित करने के लिए आपके लाभ के लिए हो सकता है, आपके पेशेवर जीवन में प्राप्त अनुभव आपके शैक्षणिक विषयों में गहराई और प्रासंगिकता जोड़ेंगे। कुछ शिक्षण या कार्यक्रम, विशेष रूप से पेशेवर उन्मुख, केवल अंशकालिक अध्ययन द्वारा उपलब्ध हैं।

## पार्ट टाइम कोर्स का नुकसान

### सामाजिक अलगाव

अंशकालिक छात्र होने की एक बड़ी खामी अन्य विद्यार्थियों के साथ सामाजिक संपर्क से गायब है। इसमें व्यक्तिगत लाभ शामिल हो सकते हैं, जैसे कि नए दोस्त बनाना, साथ ही कुशल व्यक्ति, जैसे कि आपके क्षेत्र में अन्य छात्रों और शिक्षकों के साथ नए संपर्क बनाना।

### व्यस्त जीवन शैली

अंशकालिक छात्रों को अक्सर एक नौकरी के रूप में एक और, पूर्णकालिक प्रतिबद्धता के साथ अपनी कक्षा अनुसूची को संतुलित के लिए मजबूर किया जाता है। यह एक बेहद पैक शेड्यूल के लिए बनाया जा सकता है, जिसमें सामाजिक जीवन के लिए बहुत कम समय मिलता है। जब तक छात्र बेहद केंद्रित नहीं होता, तब तक वह अध्ययन और उसकी अन्य प्रतिबद्ध क्षेत्रों में अपनी प्रभावशीलता को सीमित कर सकता है।

### हद

नेशनल सेंटर फॉर एजुकेशन स्टेटिस्टिक्स द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, अंशकालिक छात्रों की जांच करने वाले, अंशकालिक छात्रों को पूर्णकालिक छात्रों की तुलना में स्नातक होने की संभावना कम होती है। पूर्णकालिक छात्रों के बीच, 73% अंशकालिक छात्रों की तुलना में केवल 25 प्रतिशत डिग्री या प्रमाण पत्र के बिना बाहर हो गए थे।

### स्नातक करने के लिए अवधि

एक पूर्णकालिक छात्र की तुलना में स्नातक होने के लिए एक अंशकालिक छात्र के लिए हमेशा समान पाठ्यक्रम लोड को पूरा करने में अधिक समय लगेगा। उदाहरण के लिए, यदि एक पूर्णकालिक छात्र चार सेमेस्टर और चार साल में स्नातक की उपाधि लेता है, तो एक एक अंशकालिक छात्र को इससे अधिक साल में ले जाएगा, जो आठ साल की कई कक्षाओं लेगा। यह करियर की प्रगति में देरी का कारण बन सकता है जो एक डिग्री अर्जित करने पर निर्भर करता है।

### कर लाभ

आयकर विभाग छात्रों को उनके आयकर भुगतान से अधिकांश शैक्षिक खर्चों में कटौती करने की अनुमति देता है। हालांकि, पूर्णकालिक छात्रों का इस तरह की कटौती का आश्वासन दिया जाता है, लेकिन अंशकालिक छात्रों को कटौती में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, यदि आपका ट्यूशन आपके नियोक्ता द्वारा प्रतिपूर्ति की जा रही है, तो वर्गों को आय का एक रूप माना जा सकता है और इस पर कर लगाया जाना चाहिए। कटौती के बारे में सुझाव देने के लिए आपका कर सलाहकार सबसे अच्छा अधिकार है।

### सीमित विकल्प

सभी कार्यक्रम अंशकालिक छात्रों को स्वीकार नहीं करते हैं। यह विशेष रूप से सच है अगर एक कोर्स के लिए तीन घंटे की आवश्यकता होती है इसलिए, अंशकालिक छात्रों के पास भाग लेने के लिए कार्यक्रमों का एक छोटा सा पूल होता है, जो वे प्राप्त कर सकते हैं शिक्षा के प्रकार के लिए अपने विकल्पों को सीमित करते हैं। हालांकि, पार्ट टाइम कोर्स में भाग लेने के लिए संभावनाएं असीम हैं।

आज के समय में इंटरनेट का इस्तेमाल तो सभी लोग करते हैं, लेकिन अगर सोच-समझकर इंटरनेट का इस्तेमाल किया जाए। तो यह कमाई का एक बेहतरीन जरिया बन सकता है। आप इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर बन लाखों रुपए कमा सकते हैं।

# इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर बन कॅरियर को दें नई दिशा

आज के समय में इंटरनेट का इस्तेमाल तो सभी लोग करते हैं, लेकिन अगर सोच-समझकर इंटरनेट का इस्तेमाल किया जाए। तो यह कमाई का एक बेहतरीन जरिया बन सकता है। हालांकि आपने भी देखा होगा कि आज के समय में बहुत से लोग सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के तौर खूब शोहरत हासिल कर रहे हैं। वहीं इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर बन लोग लाखों कमा रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर के तौर पर अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। बता दें कि इसमें अपना कॅरियर बना सकते हैं। वर्तमान समय में अपनी नौकरी के साथ लोग सोशल मीडिया अकाउंट्स को भी काफी अच्छे से हैंडल कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर अच्छी रीच और ज्यादा एक्टिव रहने वाले अकाउंट्स को ब्रांड प्रमोशन आदि का अच्छा खासा-पैसा मिलता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर के तौर पर आप अपने कॅरियर की शुरुआत कैसे करें।

### टाइम मैनेजमेंट है जरूरी

जब भी आप नौकरी करते हैं, तो इसमें आपके काम करने का रूटीन फिक्स होता है। लेकिन जब बात सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर की होती है, तो इसमें आपको अपने काम की सीमा खुद तय करनी होती है। फोन व लैपटॉप के जरिए आपको अपना काम करना होता है। ऐसे में आपको भी अपने काम की सीमा खुद तय करनी होगी। जिससे कि आप सोशल मीडिया के अलावा अन्य कामों को भी पर्याप्त समय दे सकें।

### फिक्स्ड इनकम

जब आप कोई नौकरी करते हैं, तो हर महीने के आखिर में आपके बैंक अकाउंट में एक फिक्स्ड इनकम आ जाती है। लेकिन बतौर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर आपको कोई फिक्स्ड सैलरी नहीं मिलती है। आपकी इनकम ब्रांड प्रमोशन आदि पर निर्भर करती है। इसलिए शुरुआत में आपको नौकरी के साथ इस काम को करना चाहिए। ताकि आपका खर्च आसानी से चलता रहे। वहीं सोशल मीडिया पर हर इंफ्लुएंसर का एक-दूसरे से अलग होना जरूरी है। इसलिए आपको ओरिजिनल आइडिया पर काम करने के साथ एडिटिंग आदि भी सीखनी चाहिए।

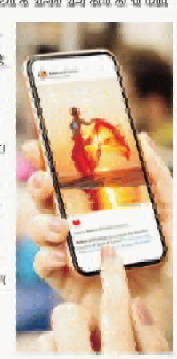

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/

कलिंग समाचार

संपादकीय

मंगलवार 16 अप्रैल 2024

## कंगना जैसे लोग भाजपा के आभूषण हैं

भारतीय जनता पार्टी के दस वर्षीय शासनकाल में जो विवेकशून्य और ज्ञानहीन लोगों की खेप इस संगठन में उतारी गई है उनमें हालिया नाम कंगना रनौत का है। भाजपा व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आंखों में बहुत कम समय में चढ़ने वाली कंगना को हिमाचल प्रदेश के मंडी लोकसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है। हिन्दी सिनेमा की सफल अभिनेत्री के रूप में उनकी पहचान बनी है परन्तु उनका भाजपा में स्वागत व समावेश इस कारण से हुआ है क्योंकि उन्होंने पिछले कुछ समय से भाजपाविरोधी दलों व नेताओं के खिलाफ सतत बयानबाजी की है। बयान भी ऐसे ऊलजलूल कि वे भाजपा जैसे दल के लिये ही स्वीकार्य और स्वागत योग्य हो सकते हैं। वैसे तो कंगना अपने बयानों से लोगों का ध्यान खींचती रही हैं परन्तु उनका ताऽा.तरीन बयान विशेष चर्चा में आया है। उन्होंने एक न्यूऽ चैनल में कहा कि श्देश के पहले प्रधानमंत्री सुभाषचन्द्र बोस थे जिनका आज तक कहीं पता नहीं है।श् उनके इस बयान पर नेताजी के पोते चंद्रकुमार बोस ने उन्हें फटकार लगाई है। देश के सर्वाधिक स मानित नेताओं में से एक सुभाष बाबू के वारिस ने कहा कि श्किसी को भी अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के लिये इतिहास को विकृत नहीं करना चाहिये। सवाल यह है कि क्या कंगना रनौत इतिहास से इतनी अनभिज्ञ हैं कि उन्हें यह भी नहीं पता कि जिस लोकसभा में प्रवेश पाने के लिये वे मतदाताओं के बीच पसीना बहा रही हैंए उसी सदन में ;बेशक पुराना भवनद्ध करीब 75 वर्ष पहले जवाहरलाल नेहरू नामक व्यक्ति ने पीएम के पद पर बैठकर एक.दो नहीं वरन 17 वर्ष देश का नेतृत्व किया था। स्कूल की निचली कक्षाओं में भी गये हर छात्र को नेहरू का नाम अनगिनत सन्दर्भों में पढ़ने का अवसर मिलता है। कंगना इतनी तो पढ़ी.लिखी हैं ही कि वे भी एकाध ऐसे अध्यायों से ज़रूर होकर गुजरी होंगी। असली बात यह है कि 2014 में खुली वाट्सएप यूनिवर्सिटी में वे स्वेच्छा से पढ़ाई करने के लिये दाखिल हुई छात्रा हैं। इस विश्वविद्यालय की खासियत यह है कि इसमें दीक्षित होने के लिये किसी भी विद्यार्थी को अपनी पहले की स्लेट को पूरी तरह से पोंछकर आना पड़ता है। भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा तैयार किये गये सिलेबस को रटकर समाज के बीच जाना पड़ता है तभी उसे इतना होनहार माना जाता है कि वह बगैर किसी अनुभव के ही सीधे लोकसभा चुनाव का टिकट पा सकता या सकती है। कहना न होगा कि इस पाठ्यक्रम का सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय इतिहास होता है। नये सिरे से लिखे गये इतिहास में पराजितों को विजेता घोषित करने से लेकर गद्दारों को देशभक्त बनाने और मध्ययुग के अंधकार को विकसित भारत का प्रकाश बतलाने से लेकर दुनिया भर के ज्ञान.विज्ञान को अपनी उपलब्धियां बतलाने वाले ल बे.ल बे अध्याय हैं। छात्र.छात्राओं को अपनी ओर से इसमें तोड़.मरोड़ की भी पर्याप्त सुविधा व स्वतंत्रता होती है। कंगना इस विश्वविद्यालय की होनहार छात्रा हैं। ऐसा नहीं कि उनकी इस योग्यता को रातों.रात मान लिया गया हो। उन्होंने कई मौकों पर यह साबित किया है। उन्होंने ही कुछ अरसा पहले बतलाया था कि देश को वास्तविक आजादी 1947 में नहीं वरन 2014 में मिली थी। यह वही बयान हैं जिससे मोदी एवं भाजपा को उनकी प्रतिभा का भान हुआ होगा। हालांकि उसके पहले जब वे महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में चली शिवसेना.कांग्रेस.एनसीपी सरकार से उलझती रहींए तो भी माना गया था कि वे पार्टी के लिये उपयोगी हैं। उन्हें बाकायदे उच्चस्तरीय सेक्युरिटी दी गई है। उन्हें उनके अभिनय के लिये पद्मश्री पुरस्कार भी दिया गया। 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भव्य उद्घाटन अवसर पर जिन गिने.चुने लोगों को आमंत्रित किया गया था उनमें वे अग्रिम पंक्ति की मेहमान थीं। उनके वे वीडियो भी खूब वायरल हुए हैं जिनमें वे उमंग में भरकर इतनी ऊंची आवाज में श्जयश्री रामश् के नारे लगा रही हैं कि वह स भवतरू स्वर्ग में विराजमान प्रभु तक अवश्य पहुंची होगी। उसी का यह नतीजा हो सकता है कि उन्हें बगैर किसी सियासी अनुभव या पार्टी में प्राथमिक स्तर पर काम किये बिना लोकसभा में पहुंचाने की भाजपा ने ठानी।

# इलेक्ट्रिक वाहन के लिए महत्वपूर्ण वर्ष होगा 2024

**के रवीन्द्रन**

भारत की ईवी महत्वाकांक्षाओं को महत्वपूर्ण बाधाओं का सामना करना पड़ता है। उच्च अग्रिम लागत व्यापक रूप से अपनाने में एक बड़ी बाधा बनी हुई हैए खासकर दोपहिया ईवी के लिएए जो भारतीय बाजार पर हावी है। इसके अतिरिक्तए मजबूत चार्जिंग बुनियादी ढांचे की कमीए विशेष रूप से टियर 2 और टियर 3 शहरों मेंए संभावित खरीदारों के बीच चिंता पैदा करती है।

वर्ष 2024 इलेक्ट्रिक वाहन ;ईवीद्ध क्रांति में एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित करने के लिए तैयार है। पर्यावरणीय चिंताओंए स त नियमों और तकनीकी प्रगति से प्रेरितए ईवी बाजार में विस्फोटक वृद्धि हो रही हैए जिससे वैश्विक स्तर पर परिवहन परिदृश्य बदल रहा है। इस परिवर्तन में सबसे आगे चीन खड़ा हैए एक ऐसा देश जिसने रणनीतिक रूप से खुद को ईवी उद्योग में निर्विवाद नेता के रूप में स्थापित किया है।

चीन का प्रभुत्व अनेक कारकों के संगम से उत्पन्न होता है। उदार सब्सिडी और आक्रामक उत्पादन लक्ष्य जैसी सरकारी नीतियों ने एक जीवंत घरेलू ईवी बाजार का पोषण किया है। बीवाईडी और एनआईओ जैसे चीनी निर्माताओं ने इन प्रोत्साहनों का लाभ उठाया हैए अनुसंधान और विकास में संसाधन लगाए हैंए और आकर्षक मूल्य बिंदुओं पर प्रतिस्पर्धी ईवी की एक विविध श्रृंखला तैयार की है।सामर्थ्य पर यह ध्यान विशेष रूप से सफल साबित हुआ हैए जिससे ईवी चीनी आबादी के व्यापक हिस्से के लिए सुलभ हो गई है।

परिणाम चीन वैश्विक ईवी बाजार में जबरदस्त हिस्सेदारी का दावा करता है। 2023 मेंए सभी नई ईवी बिक्री में चीनी कंपनियों की हिस्सेदारी 69फीसदी थी। बीवाईडीटेस्ला को पछाड़कर दुनिया की अग्रणी ईवी निर्माता बन गई है। यह प्रभुत्व घरेलू सीमाओं से परे तक फैला हुआ है।

पिछले साल की गति पर सवार होकरए चीनी वाहन निर्माता आक्रामक रूप से उभरते बाजारों में विस्तार कर रहे हैंए तथा वे स्थापित खिलाड़ियों पर भारी पड़ रहे हैं। यह बदलाव विशेष रूप से यूरोप में स्पष्ट हैए जहां एक स्थिर ईवी बाजार को बजट.अनुकूल चीनी ब्रांडों के आगमन में आशा मिलती है।

चीनी ईवी निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। बीवाईडी और एसएआईसी जैसी कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजारोंए विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया और खाड़ी सहयोग परिषद ;जीसीसीद्ध देशों पर अपनी नजरें जमा रही हैं। यहांए चीन के मजबूत आर्थिक संबंध और स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी के लिए उसका जोर एक विजयी फॉर्मूला साबित हो रहा है।

हालांकि चीन का नेतृत्व चुनौतियों से रहित नहीं है। तीव्र वृद्धि ने आपूर्ति श्रृंखला की कमज़ोरियों को उजागर कर दिया है। लिथियम और कोबाल्ट जैसी महत्वपूर्ण सामग्री की कमी से उत्पादन बाधित होने का खतरा हैए जबकि बैटरी रीसाइक्लिंग और इन संसाधनों के खनन के पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में चिंताएं बनी हुई हैं। इसके अतिरिक्तए चीनी ईवी निर्माताओं के बीच भयंकर प्रतिस्पर्धा से मूल्य युद्ध हो सकता है। इससे संभावित रूप से लाभ मार्जिन कम हो सकता है और दीर्घकालिक स्थिरता में बाधा आ सकती है।

इस बीचए संयुक्त राज्य अमेरिकाए यूरोप और जापान में स्थापित वाहन निर्माता आगे बढ़ने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पारंपरिक कार कंपनियां विद्युतीकरण में भारी निवेश कर रही हैं।

वे अपने स्वयं के ईवी प्लेटफॉर्म विकसित करने में संसाधन लगा रही हैं और बैटरी प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ साझेदारी कर रही हैं। आगामी 2024 अमेरिकी चुनाव ईवी नीतियों के लिए एक युद्ध का मैदान होने की उ मीद हैए जिसमें संभावित सरकारी प्रोत्साहन अमेरिकी ईवी बाजार के भविष्य को आकार देंगे। यूरोप मेंए स त उत्सर्जन नियम कार निर्माताओं को मजबूत चार्जिंग बुनियादी ढांचे के निर्माण पर विशेष ध्यान देने के साथए अपने ईवी रोलआउट में तेजी लाने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

जहां एक ओर चीन और स्थापित खिलाड़ी वर्तमान कथा पर हावी हैंए दावेदारों की एक नई लहर उभर रही है। भारतए जिसका बढ़ता मध्यम वर्ग और कु यात प्रदूषित परिवहन क्षेत्र ईवी के लिए एक विशाल अप्रयुक्त बाजार प्रस्तुत करता है। भारत सरकार फेम योजना जैसी पहलों के माध्यम से सक्रिय रूप से इलेक्ट्रिक गतिशीलता को बढ़ावा दे रही हैए जो ईवी खरीद के लिए सब्सिडी प्रदान करती है। मारुति सुजुकी और टाटा मोटर्स जैसे प्रमुख भारतीय कार निर्माता तेजी से ईवी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैंए हाल के महीनों में मारुति सुजुकी ईवी एक्स और टाटा नेक्सॉन ईवी जैसे नए मॉडल बाजार में आए हैं।

हालांकि भारत की ईवी महत्वाकांक्षाओं को महत्वपूर्ण बाधाओं का सामना करना पड़ता है। उच्च अग्रिम लागत व्यापक रूप से अपनाने में एक बड़ी बाधा बनी हुई हैए खासकर दोपहिया ईवी के लिएए जो भारतीय बाजार पर हावी है। इसके अतिरिक्तए मजबूत चार्जिंग बुनियादी ढांचे की कमीए विशेष रूप से टियर 2 और टियर 3 शहरों मेंए संभावित खरीदारों के बीच चिंता पैदा करती है।

इन चुनौतियों के बावजूदए विश्लेषक भारत के ईवी भविष्य को लेकर आशावादी हैं। आने वाले वर्षों में बाजार में तेजी से वृद्धि होने की उ मीद हैए पूर्वानुमान के अनुसार 2025 तक 6 फीसदी से अधिक की संभावित बाजार हिस्सेदारी होगी। इस उभरते उद्योग की सफलता कई कारकों पर निर्भर करती है। सब्सिडी और बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से निरंतर सरकारी समर्थन महत्वपूर्ण होगा। इसके अतिरिक्तए विदेशी निवेश और प्रौद्योगिकी साझेदारी को आकर्षित करनाए विशेष रूप से बैटरी विनिर्माण की दिशा मेंए एक मजबूत घरेलू ईवी पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए आवश्यक होगा।

सबसे बड़ी बाधा सामर्थ्य बनी हुई है। सरकारी सब्सिडी के बावजूदए ईवी अभी भी अपने गैसोलीन.संचालित समकक्षों की तुलना में काफी अधिक महंगे हैं। यह विशेष रूप से दोपहिया ईवी के लिए सच हैए जो भारतीय बाजार पर हावी हैं। जब तक बैटरी की लागत कम नहीं हो जाती और ईवी पारंपरिक वाहनों के साथ मूल्य समानता तक नहीं पहुंच जातेए तब तक व्यापक रूप से इसे अपनाना एक चुनौती बनी रहेगी।

एक और प्रमुख चिंता है मजबूत चार्जिंग बुनियादी ढांचे की कमीए खासकर प्रमुख शहरों के बाहर। यह संभावित खरीदारों के बीच श्रेंज चिंता्य पैदा करता हैए जो चार्जिंग स्टेशन तक पहुंचने से पहले बिजली खत्म होने की चिंता करते हैं। इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए एक बहु.आयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता हैए जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में चार्जिंग स्टेशनों की तेजी से स्थापनाए सार्वजनिक.निजी भागीदारी को बढ़ावा देना और बैटरीस्वैपिंग प्रौद्योगिकियों जैसे नवीन समाधानों की खोज करना शामिल है।

# इस्लामोफोबिया से मुकाबिल संयुक्त राष्ट्र संघ–एक प्रशंसनीय पहल

**राम पुनियानी**

इस्लामोफोबिया अन्य धर्मों के प्रति फोबिया से इतना अलग क्यों है कि संयुक्त राष्ट्र संघ को उससे मुकाबला करने के लिए एक विशेष दिवस की घोषणा करनी पड़ी और एक विशेष दूत नियुक्त करना पड़ाघ् यह हमारा दुर्भाग्य है कि वर्तमान में वैश्विक राजनीति पर पहचान से जुड़े मुद्दों का वर्चस्व है। श्रीलंका में लिट्टे के सदस्यों के दमन के पीछे नस्लीय मुद्दे थे।

कुछ सालों पहले संयुक्त राष्ट्र संघ में एक प्रस्ताव प्रस्तुत कर पाकिस्तान ने यह मांग की थी कि वर्ष के किसी एक दिन को श्इस्लामोफोबिया के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवसश् घोषित किया जाए। उस समय कई देशोंए जिनमें भारत भी शमिल थाए ने इसका विरोध करते हुए कहा था कि फोबिया अर्थात उनके प्रति डर के भाव से कई अन्य धर्म भी पीड़ित हैं। प्रस्ताव का विरोध करने वाले देशों की सं या कम थी और संयुक्त राष्ट्र संघ ने अंततरू 15 मार्च को श्इस्लामोफोबिया के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवसश् घोषित कर दिया। दुर्भाग्यवशए पिछले महीने इस दिवस पर कोई चर्चा नहीं हुई।

इस साल संयुक्त राष्ट्र संघ ने एक कदम और आगे बढ़ाते हुए इस मांग को स्वीकार कर लिया है कि इस्लामोफोबिया से मुकाबला करने के लिए विशिष्ट कार्रवाइयां करने हेतु श्विशेष दूतश् की नियुक्ति की जाए। यह मांग भी पाकिस्तान की ओर से आई थी और इसका भी भारत सहित कई देशों ने विरोध किया था। प्रस्ताव पर बोलते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत टीएसण् तिरूमूर्ति ने कहा कि श्पूरी दुनिया में धर्मों और पंथों पर लक्षित हिंसा में बढ़ोतरी हो रही है। कुछ लोग यहूदियों के विरूद्ध हैंए कुछ ईसाईयों के और कुछ हिन्दुओं के। बौद्धों और सिक्खों के विरूद्ध हिंसा की घटनाएं भी होती रहती हैंश। उनके अनुसार दुनिया में बहुत से फोबिया हैं। उन्होंने यह भी कहा कि .श्हम सब जानते हैं कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने 16 नव बर को सहिष्णुता दिवस घोषित किया है।श् उन्होंने यह भी कहा कि श्बहुवाद इन सभी फोबिया से निपटने के लिए पर्याप्त है और इस्लामोफोबिया के लिए अलग से कुछ किये जाने की जरूरत नहीं हैश।

सच क्या हैघ् क्या अन्य धर्मों के खिलाफ फोबिया और इस्लामोफोबिया में कोई फर्क हैघ् यह सही है कि दुनिया में अलग.अलग धर्मों के लोगों को दुनिया के अलग.अलग हिस्सों में फोबिया का सामना पड़ा है। अगर हम दक्षिण एशिया की बात करें तो श्रीलंका में तमिल हिन्दुओं और पाकिस्तान में सभी हिन्दुओं को प्रताड़ित किया गया। इसी तरह श्रीलंकाए पाकिस्तान और भारत में भी ईसाई प्रताड़ित किये गये हैं। वर्तमान में तालिबान.शासित अफगानिस्तान में रह रहे सिक्ख हर तरह से परेशान हैं।

तो फिर इस्लामोफोबिया अन्य धर्मों के प्रति फोबिया से इतना अलग क्यों है कि संयुक्त राष्ट्र संघ को उससे मुकाबला करने के लिए एक विशेष दिवस की घोषणा करनी पड़ी और एक विशेष दूत नियुक्त करना पड़ाघ् यह हमारा दुर्भाग्य है कि वर्तमान में वैश्विक राजनीति पर पहचान से जुड़े मुद्दों का वर्चस्व है। श्रीलंका में लिट्टे के सदस्यों के दमन के पीछे नस्लीय मुद्दे थे। वैश्विक स्तर पर इस्लामोफोबिया की आमद से बहुत पहले से भारत में मुसलमान अलग.अलग तरह से डराये.धमकाये जाते थे और उनके प्रति नफरत का भाव भी था। इसके कारण उनके खिलाफ हिंसा भी होती थी। तो ऐसे में इस्लामोफोबिया अलग क्यों है और वह अन्य धार्मिक फोबिया से अधिक डरावना क्यों हैघ्

केवल धर्म के आधार पर किसी को प्रताड़ित करने या किसी से नफरत करने का पागलपन बहुत पुराना है। इस मामले में इस्लामोफोबिया एक नई परिघटना है। इस्लामोफोबिया का उदय सन् 1970 के दशक में हुआ जब अमेरिका के पिट्ठू रज़ा शाह पहलवी को अपदस्थ कर अयातुल्ला खुमैनी ने ईरान में सत्ता संभाली। उस समय अमेरिका ने यह कहा कि इस्लाम दुनिया के लिए नया खतरा है। श्टाईमश् पत्रिका की कवर स्टोरी का शीर्षक था श्इस्लाम एज़ द न्यू थ्रेटश। नया खतरा क्योंघ् वह इसलिए क्योंकि उस समय तक अमरीकी मीडिया क युनिज्म को स्वतंत्र दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बताता था। स्वतंत्र दुनिया से आशय था श्अमेरिका के वर्चस्व वाली दुनियाश। उस समय अमेरिका की राजनैतिक और आर्थिक दादागिरी को रूस ;सोवियत संघद्ध के नेतृत्व वाला समाजवादी गुट ही चुनौती दे रहा था। उस समय अमेरिका ने दुनिया को यह समझाया कि क युनिज्म उसके लिए सबसे बड़ा खतरा है। इस विचारए जिसे दुनिया का सबसे ताकतवर देश फैला रहा थाए को पूरी दुनिया ने स्वीकार कर लिया। इससे कार्ल मार्क्स का वह कथन एक बार फिर सही साबित हुआ कि श्शासक वर्ग के विचार ही शासन करते हैंश।

शनै शनै समाजवादी रूस कमजोर होता गया और फिर 1990 के दशक में वह पूरी तरह बिखर गया। अब दुनिया के सबसे ताकतवर देश को लड़ने के लिए कोई और दानव चाहिए था। यह वह समय था जब अमेरिका अपने पिट्ठू पाकिस्तान में मदरसों की स्थापना कर रहा था। महमूद ममदानी ने अपनी पुस्तक श्गुड मुस्लिमए बैड मुस्लिमश् में सीआईए के दस्तावेजों के हवाले से लिखा है कि अमेरिका ने ही इन मदरसों का पाठ्यक्रम तैयार किया। यह पाठ्यक्रम इस्लाम के एक संकीर्ण ;वहाबीद्ध संस्करण पर आधारित था। अमेरिका ने करीब 800 करोड़ डालर और स्टिंगर मिसाईलों सहित 7ए000 टन गोला.बारूद इन मदरसों में से पढ़कर निकले युवकों पर खर्च किए। ये युवक मुजाहिदीन कहलाते थे और बाद में इन्हीं से तालिबान और अलकायदा उपजे। हिलेरी क्लिंटन ने खुल्लम.खुल्ला कहा था कि अमेरिका को अफगानिस्तान में रूसी क युनिस्टों से लड़ने के लिए जुनूनी युवक चाहिए थे इसलिए उसने तालिबान को खड़ा किया और रूस की अफगानिस्तान से वापसी के बाद तालिबान को भी मदद देना बंद कर दिया।

अमेरिका का उद्देश्य था पश्चिम एशिया में तेल के कुंओं पर कब्जा करना। उसकी सभी नीतियां इसी लक्ष्य को ध्यान में रखकर बनाई गई थीं। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर 9ध्11ए 2001 को हुए हमले में करीब 3ए000 निर्दोष लोग मारे गये। मरने वालों में सभी धर्मों और सभी देशों के लोग थे। इसे बहाना बनाकर अमेरिका ने अफगानिस्तान पर हमला कर दिया जिसमें 60ए000 से ज्यादा जानें गईं। उसके बाद इस आधार पर ईराक पर हमला किया गया कि ईराक के पास महासंहारक हथियारों का जखीरा है। मगर ईराक पर कब्जा करने के बाद अमेरिका वहां एक भी ऐसा हथियार नहीं ढूंढ सका।

वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमलाए जिसे ओसामा.बिन.लादेन की कारगुजारी बताया जाता हैए के बाद अमरीकी मीडिया ने श्इस्लामिक आतंकवादश् शब्द गढ़ा। अमेरिका राजनैतिकए आर्थिक और सैन्य दृष्टि से दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश है। जाहिर है कि उसका मीडिया भी दुनिया में सबसे शक्तिशाली है और इसी के कारण दुनियाभर के मीडिया ने श्इस्लामिक आतंकवादश् शब्द का प्रयोग करना शुरू कर दिया और इसी से इस्लामोफोबिया का जन्म हुआ। एक समय सै युअल हंटिंगटन का एक सिद्धांत बहुत प्रसिद्ध था। इसे श्क्लैश ऑफ़ सिविलाईजेशन्स ;स यताओं का टकरावद्धश् कहा जाता था। उस समय ऐसी मान्यता थी कि पिछड़ी हुई इस्लामिक स यता और विकसित पश्चिमी स यता में वैश्विक स्तर पर टकराव होगा।

इस्लामोफोबिया के कारण ही अमेरिका में मुसलमान समझकर एक सिक्ख की हत्या कर दी गई। इस्लामोफोबिया के कारण ही अमेरिका में एक पादरी ने कुरान की एक प्रति जलाई। फिर एक अमरीकी ईसाई ने एक फिल्म बनाई जिसका शीर्षक था श्इनोसेन्स आफ मुस्लि सश। इस फिल्म की एक क्लिप जो वायरल हुई थी में लंबी दाढ़ी वाले मुसलमानों को ईसाईयों पर हमले करते दिखाया गया था। हम सब को डेनमार्क की एक पत्रिका में प्रकाशित वह कार्टून याद है जिसमें पैग बर मोह मद को अपनी पगड़ी में एक बम छिपाए हुए दिखाया गया था। जाहिर है कि यह सब इसलिए हुआ क्योंकि पूरी दुनिया में इस्लाम के प्रति एक डर का भाव पैदा कर दिया गया। सबको लगने लगा कि इस्लाम और मुसलमान दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं।

स यताओं के टकराव के सिद्धांत को गलत सिद्ध करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने हर संभव प्रयास किए। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव कोफी अन्नान ने इस सिद्धांत की पड़ताल करने के लिए एक उच्च स्तर समिति की नियुक्ति की। इस समितिए जिसमें एक भारतीय सदस्य भी थाए ने जो रिपोर्ट प्रस्तुत की उसका शीर्षक था श्एलायन्स आफसिविलाईजेशन्सश् अर्थात स यताओं का गठबंधन। इस रिपोर्ट में यह कहा गया था कि मानव जाति ने जो भी उन्नति की है उसमें सभी स यताओंए धर्मों और संस्कृतियों का योगदान रहा है। अब चूंकि दुनिया भर में अमेरिका का बोलबाला है इसलिए इस रिपोर्ट को मीडिया ने नजरअंदाज कर दिया और इस्लामोफोबिया बना रहा।

भारत में समस्या और गंभीर इसलिए है क्योंकि यहां पहले से ही सा प्रदायिक राजनीति के कारण विभिन्न समुदायों के बीच शत्रुता का भाव था। वैश्विक इस्लामोफोबिया ने मुसलमानों के खिलाफनफरत में और इज़ाफा किया। स्वाधीनता संग्राम के दौरान मुस्लिम सा प्रदायिक ताकतें हिन्दुओं के खिलाफ नफरत फैलाती थीं और हिन्दू सा प्रदायिक ताकतें ;हिन्दू महासभा और आरएसएसद्ध मुसलमानों के खिलाफ। स्वतंत्रता के बाद मुस्लिम सा प्रदायिक ताकतें कमजोर पड़ गईं जबकि हिन्दू सा प्रदायिक ताकतें और शक्तिशाली होती गईं और इस कारण ही देश में इस्लामोफोबिया व्याप्त है।संयुक्त राष्ट्र संघ ने इस्लामोफोबिया से मुकाबला करने के लिए जो कदम उठाए हैं वे सराहनीय और उ मीद जगाने वाले हैं।

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/

# विविध समाचार

## भगवान बिरसा मुंडा का अपमान... आइएनडीआइए की रांची रैली पर भड़की भाजपा, भ्रष्टाचारी.सनातन विरोधियों का जुटान बताया

रांची १५/०४ (संवाददाता): भाजपा ने 21 अप्रैल को रांची में प्रस्तावित आइएनडीआइए की रैली को भ्रष्टाचारियों का जुटान कहा है। प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि 21 अप्रैल को एक ही मंच पर भ्रष्टाचारी, सनातन विरोधीए टुकड़े.टुकड़े गैंग के लोग और परिवारवादी राजकुमार दिखेंगे। प्रतुल शाहदेव ने कहा कि रैली का नाम उलगुलान रखना भगवान बिरसा मुंडा सहित झारखंड के अमर बलिदानियों का अपमान है। उलगुलान का आह्वान अंग्रेजों के अत्याचार के खिलाफहुआ था। ऐसे भ्रष्टाचारी जुटान का नाम उलगुलान देकर इन्होंने पूरे देश के आदिवासियों का अपमान किया गया है। आगामी चुनाव में जनता इन देश विरोधियों के खिलाफउलगुलान करेगी। प्रतुल शाहदेव ने कहा कि सोरेन परिवार के घर की बड़ी बहू सीता सोरेन ने भी अपने साथ परिवार के भीतर हुए अन्याय के खिलाफउलगुलान का एलान किया है। विषम परिस्थितियों में उन्होंने बच्चियों को पाला.पोसा था। परिवार में उन्हें तिरस्कृत किया गया। प्रतुल शाहदेव ने आगे कहा कि सीता सोरेन ने अपने आंदोलनकारी पति स्वर्गीय दुर्गा सोरेन के रहस्यमयी मौत को साजिश बताते हुए जांच की मांग की। सरकार ने उसे ठंडे बस्ती में डाल दिया। इसपर झारखंड मुक्ति मोर्चा खामोश क्यों है। उन्होंने कहा कि लोबिन हे ब्रम द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ ए स्थानीय नीति और 1932 की स्थानीय नीति को लागू करने के लिए किए गए उलगुलान पर भी चुप्पी साध ली है। उल्टे उन पर प्रश्न उठाने के लिए झामुमो के नेताओं द्वारा टारगेट किया जा रहा है।

## हेमंत सोरेन से मिलने जेल पहुंचे जोबा मांझी, सिंहभूम सीट को लेकर अटकलों का दौर तेज

रांची १५/०४ (संवाददाता): सिंहभूम संसदीय सीट को लेकर अटकलों का दौर थम नहीं रहा है। शुक्रवार को झामुमो प्रत्याशी जोबा मांझी ने जेल जाकर पूर्व सीएम और झारखंड मुक्ति मोर्चा ;झामुमोद्ध के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन से मुलाकात की। उन्होंने प्रत्याशी बनाने के लिए आभार जताया। हालांकि जोबा मांझी को प्रत्याशी बनाए जाने को लेकर विरोध भी हो रहा है। तर्क दिया जा रहा है कि हो जनजाति बहुल सिंहभूम संसदीय सीट से झामुमो को भी इसी जनजाति का उ मीदवार देना चाहिए। जोबा मांझी संताल जनजाति समुदाय की हैं।

हेमंत सोरेन से मुलाकात करने के बाद जोबा मांझी मु यमंत्री च पाई सोरेन और झामुमो प्रमुख शिबू सोरेन से भी मिलने पहुंचीं। शिबू सोरेन ने उन्हें आशीर्वाद दिया।

इसके बाद जोबा मांझी ने कहा कि सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र से उ मीदवार बनाने के लिए नेताओं का आभार प्रकट किया। यह चुनाव झारखंड की जनता के लिए अग्निपरीक्षा है। जनता को केंद्र सरकार की तानाशाही से मुक्त कराना है। लड़ेंगे और जीतेंगेए झारखंड झुकेगा नहीं।

हेमंत सोरेन ने जेल में मुलाकात के क्रम में मुझे यही संदेश दिया। वास्तव में उनसे भेंट कर मुझे एक नई ऊर्जा मिली है।हेमंत सोरेन से उनके छोटे भाई और राज्य सरकार में मंत्री बसंत सोरेन ने भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच राज्य सरकार के कार्यक्रमों और लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर चर्चा हुई। बैठक के दौरान 21 अप्रैल को प्रस्तावित न्याय उलगुलान रैली पर को लेकर विमर्श हुआ

## आज का राशिफल

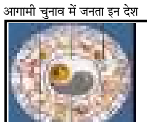

मेष – आज के दिन धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्तियाँ विशेष रहेंगी। मन में द्विधा रहने से ठोस निर्णय नहीं ले सकेंगे। पैसे की लेन–देन या आर्थिक व्यवहार न करने की गणेशजी की सलाह है।

वृषभ – गणेशजी कहते हैं कि व्यापार में वृद्धि होने के साथ व्यापार के स बंध में सौदे लाभदायक साबित होंगे। आय के साधनों में वृद्धि होगी। बुजुर्गों तथा मित्र मंडल से लाभ और सुखद क्षणों का अनुभव मिलेगा।

मिथुन – शारीरिक और मानसिक सुख बने रहेंगे। नौकरी – व्यवसाय में आपके परिश्रम का मुआवजा मिलता हुआ प्रतीत होगा। अधिकारी वर्ग के प्रोत्साहन से आपका उत्साह बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क – गणेशजी कहते हैं कि आज आपकी भाग्य वृद्धि के साथ आकस्मिक धन लाभ होगा। विदेश जाने के इच्छुक लोगों के प्रयास सफल होंगे। तथा विदेश से अच्छे समाचार आएँगे।

सिंह – आज आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना रहेगा। तबीयत के पीछे धन खर्च होने की संभावना है। निषेधात्मक विचार आपको गलत मार्ग पर न ले जाए, उसका ध्यान रखने के लिए गणेशजी कहते हैं।

कन्या – गणेशजी की कृपा से दांपत्यजीवन के सुखद क्षणों का अनुभव करेंगे। सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में आप याति और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। मनोरंजन की प्रवृत्तियों में भाग लेंगे। वस्त्राभूषण और वाहन की खरीदी होगी।

तुला – गणेशजी कहते हैं कि सामान्ज रूप से आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और बीमार व्यक्ति के भी तबीयत में सुधार होगा। घर में सुख– शांति के वातावरण में आप समय व्यतीत करेंगे। कार्य में सफलता और यश मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

वृश्चिक – आज यात्रा प्रवास का आयोजन न करने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य के स बंध में चिंतित रहेंगे। संतानों के स बंध में समस्याएँ खड़ी होंगी। स्वाभिमान भंग न हो इसका ध्यान रखें।

धनु – गणेशजी कहते हैं कि आज आपको अत्यधिक संवेदनशीलता के कारण और घरेलू मामलों को लेकर मानसिक तनाव खड़े होने की संभावना है। मन में उठनेवाली द्विधाओं से आप मानसिक उचाट अनुभव करेंगे।

मकर – आज आप रणनीति में शत्रुओं को परास्त करेंगे। नए कार्यों के आरंभ के लिए तैयार रहें। सफलता मिलेगी। आप हरेक कार्य तन–मन से स्वस्थ रहकर करेंगे। व्यापार–धंधे में लाभ होगा।

कुंभ – गणेशजी बताते हैं कि मन में द्विधाएँ खड़ी होने से आप कोई ठोस निर्णय पर नहीं पहुँच सकेंगे। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। वाणी पर संयम नहीं रहनेसे पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होने की संभावना है।

मीन – आनंद– उत्साह और तन–मन की प्रसन्नता आपके दिन में चेतना और स्फूर्ति का संचार करेंगे। नए कार्य हाथ में लेंगे तो उसमें सफलता मिलेगी। धार्मिक मांगलिक प्रसंगों में जाएँगे।

## नौकरी के लिए तमिलनाडु गए 8 युवक हो गए लापता

सिमडेगा १५/०४ (संवाददाता): रोजगार की तलाश में तमिलनाडु गए झारखंड के 8 युवा लापता हो गए थे। परिजनों ने सिमडेगा पुलिस के समक्ष मामले की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद सिमडेगा पुलिस ने तमिलनाडु के नामक्कलए सलेम पुलिस की मदद से इन सभी युवकों को खोज निकाला। इन सभी को तमिलनाडु से झारखंड भेज दिया गया है।

## झारखंड की चतरा सीट के लिए राजद और कांग्रेस में सिर फुटौव्वल

रांची १५/०४ (संवाददाता): झारखंड में महागठबंधन के बीच लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे का पेंच अब भी फंसा हुआ है।राजद और कांग्रेस दोनों में कोई भी चतरा सीट भी छोड़ने के लिए तैयार नहीं हो रही है। महागठबंधन में राजद को झारखंड में सिर्फ एक सीट देने पर ही सहमति बनी थी लेकिन अब मामला उलझता दिख रहा है।।

इसी सहमति के तहत लालू यादव की राजद को पलामू सीट दी गईए जहां से राजद ने ममता भुइयां को अपना प्रत्याशी बनाया हैए लेकिन राजद चतरा सीट लेने पर भी अड़ा हुआ है।

अब परिस्थिति यह बन रही है कि इस सीट पर 2019 की तरह राजद भी अपना प्रत्याशी उतारेगा और कांग्रेस भी यहां से चुनाव लड़ेगी।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भी चतरा सीट को लेकर महागठबंधन में राजद व कांग्रेस के बीच सहमति नहीं बन सकी थी। उस समय दोनों ही दलों ने चतरा संसदीय सीट पर अपने.अपने प्रत्याशी उतार दिए थे। इसका असर यह हुआ कि महागठबंधन का वोट इन दोनों दलों में बंट गया। इसका फायदा भाजपा को मिल गया।

चतरा सीट पर सहमति नहीं बनने से महागठबंधन में अनिर्णय की स्थिति बनी हुई है। झारखंड राजद के नेता भी पशोपेश में हैं कि पता नहीं आलाकमान का फैसला क्या होगा। इसका असर यह है कि क्षेत्र में पार्टी का प्रचार.प्रसार भी नहीं के बराबर है। भाजपा ने अपना प्रत्याशी मैदान में उतार दिया है। पार्टी ने क्षेत्र में अपनी गतिविधियां बढ़ा दी हैं।

## युवक-युवती की हत्या कर शव जंगल में जलाने का प्रयास, ऑनर किलिंग की आशंका

लोहरदगा १५/०४ (संवाददाता): लोहरदगा जिले में अज्ञात अपराधियों ने युवक.युवती की हत्या कर शवों को जंगल में जलाने का प्रयास किया है। हालांकि शव जल नहीं पाए। शवों की पहचान भी नहीं हो सकी है। शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। घटना को लेकर ऑनर किलिंग की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा रहा है। लाश देखकर स्पष्ट पता चल रहा है कि युवक.युवती की हत्या कर साक्ष्य छिपाने की कोशिश की गई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शव के पास ही एक मोबाइल फोन और एक डायरी भी मिला है। युवती के पहने हुए डिजाइर ज्वेलरी भी वैसी की हालत में हैं। युवक.युवती जींस पहने हुए थे। युवक का एक पैर का जींस का कपड़ा और युवती के दोनों पैर का जींस जला हुआ है।

मेढ़ो से कोरांबे रास्ते में आधा किलो मीटर आगे जाने पर उगरा.मुरपा जंगल में शवों को बरामद किया गया है। उगरा.मुरपा जंगल में सिर्फ एक घर लेदरा उरांव का है। स्थानीय ग्रामीण की सूचना पर मंगलवार रात को जंगल में पहुंच कर पुलिस ने शवों को बरामद किया। प्रथम दृष्टया युवक.युवती की हत्या कर शवों को जलाने की कोशिश करने का प्रयास है। इसमें युवती.युवती का पोशाक जला हुआ है। शव देखने से दो.तीन दिन पहले का लग रहा है। हालांकि फिलहाल पूरे मामले को लेकर पुलिस कुछ भी कहने से परहेज कर रही है। युवक.युवती के शव मिलने की पुष्टि एसपी आरण् रामकुमार ने की है। उन्होंने कहा कि जंगल में पेड़ के नीचे शव मिलने की सूचना पर डीएसपी के साथ पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को घटना स्थल भेजा गया। शवों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। आबादी से लगभग दो किलोमीटर दूर जंगल में इस प्रकार से दो शवों के मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। स्थानीय लोगों ने जंगल में एक हीं साथ पेड़ के नीचे शव देखकर इसकी सूचना सेन्हा थाना पुलिस को दी थी।सूचना मिलने के साथ हीं दल.बल के साथ मौके पर डीएसपी परमेश्वर प्रसादए सेन्हा थाना प्रभारी सूरज प्रसादए बीडीओ अशोक कुमार चोपड़ाए सीओ विजय कुमार पहुंचे और शव की पहचानी कराने के साथ पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। अंधेरा होने की वजह से पुलिस को जांच में परेशानी आ रही है। शवों की पहचान होने के बाद पुलिस आगे की पड़ताल करेगी। फिलहाल पुलिस की ओर से पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

## गीता कोड़ा पर हमले से बौखलाए बाबूलाल, कहा- हार की कुंठा से झामुमो ने दिया घटना को अंजाम

रांची १५/०४ (संवाददाता): भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मु यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने रविवार को चाईबासा से भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा पर हुए हमले को झामुमो की हताशा बताया है। उन्होंने कहा कि अपनी हार निश्चित देखकर झामुमो के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गीता कोड़ा और उनकी सहयोगियों पर चुनाव प्रचार के दौरान कायराना हमला किया है।उन्होंने कहा कि झामुमो और उनके सहयोगी दलों को पता है कि वे चुनाव में भाजपा के खिलाफ बुरी तरह हार रहे हैं और इसी कुंठा में भाजपा के जुझारू कार्यकर्ताओं पर हमले कर रहे हैं। राज्य में महिला सुरक्षा का दावा करने वाली जेएमएम की सरकार में गुंडे जब महिला जनप्रतिनिधि पर हमला करते हुए नहीं डर रहे हैं तो जरा सोचिए की राज्य में जनता की क्या हालत होगी।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि ये हमला सिर्फ गीता कोड़ा पर ही नहींए बल्कि सिंहभूम की जनता पर भी है। सिंहभूम की जनता इसका सही जवाब देगी। बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि सरायकेला मु यमंत्री च पाई सोरेन का गृह जिला भी है इसलिए इस कृत्य में उनकी भी संलिप्तता का हमें संदेह है।जबसे गीता कोड़ा जी भाजपा में शामिल हुई हैं और कांग्रेस और झामुमो की सरकार नाकामियां और भ्रष्टाचार पर मुखर रूप से बोलने लगी हैंए उस दिन से हेमंत सोरेन और उनकी षडयंत्रकारी टीम ने पहले इंटरनेट मीडिया पर और अब सामने से हमले शुरू कर दिए हैं। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डाण् दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में अपनी संभावित हार को देखते हुए झामुमो बौखला गई है। उन्होंने कहा कि रविवार को सरायकेला विधानसभा क्षेत्र के ग हरिया के मोहनपुर गांव में भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा को हथियार से लैस झामुमो समर्थकों के द्वारा 3 घंटे तक बंधक बनाना लोकतंत्र को शर्मसार करने वाली घटना है। झामुमो राज्य में भय एवं आतंक का माहौल बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि झामुमो की गुंडागर्दी भाजपा के विजय रथ को रोक नहीं पाएगी।

## 25 अप्रैल तक वोटर लिस्ट में नाम दर्ज करा सकते हैं मतदाता

रांची १५/०४ (संवाददाता): लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने एवं ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप टीम की ओर से लगातार जिले में विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को समाहरणालय परिसर से मतदाता जागरूकता वाहन रवाना किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हाए नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग दिनेश कुमार यादव एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन ने हरी झंडी दिखाकर प्रचार वाहन को रवाना किया। प्रचार वाहन के माध्यम से रांची लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं को चुनाव आयोग द्वारा तैयार किए गए विभिन्न गीतों से जागरूक किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि अगर किसी मतदाता को अपना नाम वोटर लिस्ट में शामिल करवाना हैए तो वे 25 अप्रैल तक वोटर लिस्ट में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं।जिला निर्वाचन पदाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा ने बताया कि मतदाताओं को मतदान दिवस ;25 मईद्ध 10 दिन पहले से मतदाता पर्ची बीएलओ के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा।वोट देने के लिए मतदाता सूची में नाम दर्ज होना आवश्यक है। वैसे नागरिक जिनकी आयु 01 अप्रैल 2024 को 18 वर्ष हो चुकी हैए वो अभी भी अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करा सकते हैं।

## पीएम आवास नहीं बनाने वाले 400 लोगों को नोटिस

बसिया १५/०४ (संवाददाता): बसिया के प्रखंड विकास पदाधिकारी रविन्द्र कुमार गुप्ता ने प्रधानमंत्री आवास के 400 लाभुकों को कार्रवाई के लिए नोटिस भेज दिया गया है। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि वर्ष 2016 से 2021 तक के प्रधानमंत्री आवास के कुछ लाभुकों द्वारा बार.बार मकान बनाने के लिए कहने के बाद भी आवास बनाने की ओर कोई ध्यान नहीं है।ऐसे लाभुकों को एक मौका देकर प्रधानमंत्री आवास बनाने को कहा जा रहा हैए जिसे कुछ लोगों द्वारा आवास बनाया जा रहा किंतु कुछ लाभुकों को आवास निर्माण से कोई मतलब नहीं दिखाई दे रहा है। वैसे लाभुकों को नोटिस भेजकर आगाह किया गया।

Printed, Published, Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Mainroad, Chhend colony, Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email: kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/

# ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, मंगलवार 16 अप्रैल 2024 | पृष्ठ-6


## आरएसपी और एससी एवं एसटी कर्मचारी संघ द्वारा भारत रत्न डॉ. बीआर अंबेडकर जयंती का पालन

राउरकेला १५/०४ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र ;आरएसपी और सेल एससी एवं एसटी कर्मचारी महासंघ द्वारा 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती का पालन धूम धाम से किया गया। सुबह में कार्यपलाक निदेशक ;वर्क्स श्री एस आर सूर्यवंशी के साथ कार्यपालक निदेशक ;चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा डॉ. बीके होताए कार्यपालक निदेशक ;कार्मिक एवं प्रशासन सह अतिरिक्त प्रभारीं परियोजनाए श्री तरूण मिश्र, कार्यपालक निदेशक ;खान श्री आलोक वर्मा ने आरएसपी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियोंए सेल, एससी एवं एसटी कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों के साथ सेक्टर 17, अंबेडकर एन्क्लेव में डॉ बीआर अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद इस अवसर पर उपहार केंद्र में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। श्री सूर्यवंशी समारोह के मु य अतिथि थे जबकि एनआईटी राउरकेला के प्रोफेसर हृषिकेश नायक मु य वक्ता थे। इस अवसर पर सभी कार्यपालक निदेशक के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी सं या में सेलए एससी एवं एसटी कर्मचारी संघ के सदस्य और छात्र तथा अभिभावक उपस्थित थे।

गण्यमान्यों ने डॉ बीआर अ बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में श्री सूर्यवंशी ने दलित वर्गों के उत्थान के लिए डॉ बी आर अंबेडकर के योगदान और सामाजिक-आर्थिक समानता के आधार पर समाज के समग्र विकास के लिए उनके ध्येय पर प्रकाश डाला। उन्हों ने कहा इस्पात संयंत्र के अपने कार्य में हम निष्पक्षता, अखंडता और उत्कृष्टता के उन मूल्यों को कायम रख सकते हैं जिनका डॉण् अंबेडकर ने पुरजोर समर्थन किया था।

जैसा कि हम अपने शिल्प में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करते हैं, आइए हम समान कार्य वातावरण बनाने का भी प्रयास करें जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को आगे बढ़ने और हमारी सामूहिक सफलता में योगदान करने का अवसर मिले। श्री हृषिकेश नायक ने अपने संबोधन में वर्तमान सामाजिक.राजनीतिक संदर्भ में डॉ बीण्आर अंबेडकर के आदर्शों और दर्शन के योगदान और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

पूर्वायोजित भाषण प्रतियोगिताओं के शीर्ष विजेताओं में शामिल चिन्मय विद्यालय, सेक्टर7 की एम स्वयंश्री साहू, दिल्ली पब्लिक स्कूलए सेक्टर.14 के अर्नव ठाकुर और संत पॉल स्कूल की शिल्पा कुल्लू ने महान राजनेता बाबा साहब अंबेडकर के बारे में क्रमशरू ओड़ियाए हिंदी और अंग्रेजी में अपने वक्तव्य रखे। बाद में गण्यमान्यों ने कर्मचारियों और स्कूली छात्रों के बीच आयोजित भाषण और अन्य विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।प्रारंभ में महा प्रबंधक प्रभारी ;नगर प्रशासन एवं कार्मिक श्री पीण्के दाश ने सभा का स्वागत किया। कार्यक्रम मंत्रमुग्ध कर देने वाली नृत्य प्रस्तुतियों से जीवंत हो उठी।

इस अवसर पर कर्मचारियों द्वारा डॉ बीण्आर अबेडकर के जीवनी पर एक नाटक का मंचन भी किया गया। उप प्रबंधक ;कार्मिक नगर एवं चिकित्सा श्री एससी पारीच्छा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उप प्रबंधक ;एसपी-2 एवं अध्यक्ष ;सेलए एससी/एसटी फेडरेशन श्री चंद्रभानु मुंडा ने पूरे कार्यक्रम का समन्वय किया। सीआरएम के श्री अनिल मलिक ने कार्यक्रम का संचालन किया।

## बारबाटी मेयर के आवास पर बीजद विधायक उमीदवार को लेकर हुई बैठक

### आचार सहिंता के उल्लंघन पर महापौर ने किया ये दावा

कटक १५/०४ (संवाददाता): बारबाटी किला परिसर में मौजूद मेयर सुभाष सिंह के सरकारी क्वार्टर में बीजू जनता दल के बारबाटी कटक विधायक उ मीदवार प्रकाश चंद्र बेहेरा को लेकर एक चुनावी बैठक हुई है।इसको लेकर फिर से शहर भर में चर्चा ने तूल पकड़ी है। इस बैठक में कटक नगर निगम के 18 पार्षद भी मौजूद होने की बात का चर्चा हो रही है। मेयर के सरकारी क्वार्टर में इस तरह की बैठक आयोजन किया जाना निश्चित तौर पर चुनाव आचरण विधि का उल्लंघन किया है। इस बात का भी अब चर्चा हो रही हैए लेकिन दूसरी ओर मेयर सुभाष सिंह ने गण माध्यम में इसका खंडन किया है। मेयर ने कहा कि यह बैठक उनके सरकारी आवास पर नहीं हुई हैए बल्कि एक गुप्त जगह पर की गई है। मेयर के सरकारी क्वार्टर में यह बैठक होने की बात का पता साफचला हैए लेकिन ऐसे में उसे गुप्त जगह के तौर पर क्यों दर्शाया जा रहा हैए यह पता नहीं चल पाई है।ऐसी स्थिति में अब बारबाटी कटक बीजू जनता दल का राजनीति अधिक सरगर्म हो गई है । पिछ्ले शुक्रवार को जहां एक जगह बीजू जनता दल की महिला समावेश चल रहा थाए वही दूसरी ओर बीजू जनता दल का युवा परिषद ईद मिलन कार्यक्रम अन्य एक जगह पर चल रहा था। यहां तक की कुछ पार्षद आशीर्वाद बेहेराए संजय बेहेरा और कटक मेयर सुभाष सिंह से भेंट कर केवल उनके निर्देश पर ही काम करने के लिए मांग रखने की घटना बीजू जनता दल की विवाद को हवा दिया है। शुक्रवार को हुई बीजद के दोनों कार्यक्रमों को लेकर कटक शहर में जहां चर्चा चल रही थी। वहीं यह बैठक फिर से यह बैठक बारबाटी कटक राजनीति को अधिक सरगर्म किया है। यहां तक कि यह सभी पार्षद नवीन निवास जा कर वहां पर 5टी के अध्यक्ष वीके पंडियन मिलने के लिए भी निर्णय लिया हैए लेकिन उसको लेकर अभी निर्दिष्ट समय तय नहीं हुई है।इस बैठक में सीएमसी स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष बैठक एण्श्रीदेवीए पार्षद विकाश बेहेराए प्रदीप साहु ए पुष्पिता मोहंतीए प्रदीप कुमार राउतए प्रिय बदा मोहंतीए प्रिय बदा स्वाइंए रितांजलि बेहेराए नमीता बारिकए आरती साहुए दीपांजलि सिंहए बसंत बेहेराए लक्ष्मीप्रिया बेहेराए मोह मद इ तकार आलम, चंदन जेना, अरुंधति कर, इतिश्री दास, सुमित्रा बस्तीआ प्रमुख शामिल थे।

## ओडिशा में तत्काल प्रभाव से समुद्र में मछली पकड़ने पर लगा 2 महीने का प्रतिबंध

भुवनेश्वर १५/०४ (संवाददाता): राज्य सरकार ने सोमवार को ओडिशा के पूरे समुद्र तट के साथ नदी मुहानों पर मछली पकड़ने पर तत्काल प्रभाव से दो महीने 14 जून तक यानी 61 दिन के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। इस समय के दौरान मछलियों का प्रजनन होता है। ऐसे में प्रतिवर्ष केन्द्र सरकार का मत्स्य मंत्रालय मछुआरों के समुद्र में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाता है।

इसी के तहत ओडिशा मत्स्य निदेशालय ने गंजामए कुजंगए बालेश्वरए पुरी के अतिरिक्त मत्स्य अधिकारी ;समुद्रीद्ध और बालुगांव के जिला मत्स्य अधिकारी को लिखे एक पत्र में मत्स्य संसाधनों के संरक्षण और प्रभावी प्रबंधन के लिए मछली पकड़ने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है। जानकारी के मुताबिकए मत्स्य संपदा के संरक्षण के उद्देश्य से प्रति वर्ष यह प्रतिबंध लगाया जाता है। केवल साढ़े आठ मीटर ल बे पारंपरिक नाव को इस प्रतिबंध से अलग रखा गया है।

सरकार ने ओडिशा मेराइन फिसिंग रेगुलेशन एक्ट को स ती के साथ अनुपालन करने को कहा है।

यहां उल्लेखनीय है कि मानसून आने से पहले मछलियों का प्रजनन ऋतु प्रारंभ होता है। मछलियों के प्रजनन के लिए यह समय अनुकुल होता है। मछलियां अंडा देती हैं। मछलियों के बढ़ने में 3 से 4 महीने का समय लगता है। इससे पहले ही प्रतिबंध को हटा दिया जाता हैए जिससे मछलियों का आकार काफी छोटा रहता है।

इस समय में समुद्र में ट्रालरए गिलेटिन आदि का चलाचल शुरू हो जाता हैए जिससे लाखों की सं या में मछलियां मर जाती हैं। मछुआरे बड़ी मछली के बदले छोटी मछली लाते हैं। मछली उत्पादन कम होता हैए जिससे ट्रालर मालिकए मछुआरेए व्यापारियों को नुकसान होता है।

## ओडिशा और पश्चिम बंगाल पुलिस के बीच हुई बैठक, चुनाव में नशे व अपराधियों पर कसेगा शिंकजा

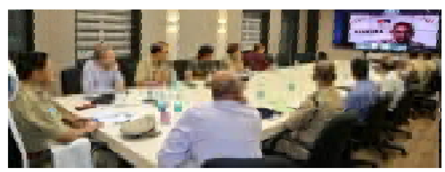

कटक १५/०४ (संवाददाता): साधारण चुनाव के लिए दिन जितना करीब आता जा रहा है। ब्राउन शुगर का कारोबार उतना ही प्रमुख चिंता का कारण बन गया है। ब्राउन शुगर जैसी खतरनाक नशीले पदार्थ को पश्चिम बंगाल के लालगोलाए मुर्शिदाबाद और बर्दवान जैसी जगह से ओडिशा आ रहा है। उसको लेकर ओडिशा पुलिस ने चिंता जताई है और ब्राउन शुगर पर रोक लगाने के लिए ओडिशा पुलिस महानिदेशक अरुण षड़ंगी ने पश्चिम बंगाल पुलिस के साथ एक समन्वय बैठक में जोर दिया है। ओडिशा और पश्चिम बंगाल पुलिस के बीच चलने वाली इस समन्यवय बैठक में नशा कारोबार को रोकनाए मु य आरोपियों को गिर तार करने के साथ.साथ जांच प्रक्रिया को तेज करने के लिए दोनों राज्य के पुलिस अधिकारियों ने सहमति दिया है। पुलिस मु यालय से दोनों राज्यों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के बीच वर्चुअल मोड में बैठक हुई है। इस बैठक में ओडिशा पुलिस महानिदेशक अरुण कुमार षड़ंगी, डीजी ;मु यालय आरण्के शर्माए खुफिया विभाग के निर्देशक सोमेंद्र प्रियदर्शी, डीजी ;अनुशासन संजय कुमार, एडीजी ;ऑपरेशन एस देवदत्त सिंह, एडीजी ;आधुनिककरण दयाल गंगवार, आईजीपी ;प्रोविजनिंग जितेंद्र कोयल, आईजीपी ;कार्मिक एसण्प्रवीण कुमारए आईजीपी ;खुफिया अनूप साहू के साथ.साथ उत्तरांचल रेंज के आईजी दीपक कुमार एवं सीमावर्ती जिला बालेश्वर, मयूरभंज जिला के एसपी भी मौजूद थे।

पश्चिम बंगाल के डीजीपी संजय मुखोपाध्याय के साथ कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी वर्चुअल मोड में मौजूद रहे।इसके अलावा पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों के एसपी भी इस बैठक में शामिल हुए।ओडिशा के बालेश्वरए मयूरभंज जिलों के सीमा पश्चिम बंगाल से लगी है।

ऐसे में इन दो जिलों में शांतिपूर्ण तथा निष्पक्ष चुनाव संचालन करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों ने चर्चा किया। सीमावर्ती जिलों में किस प्रकार से जांच को कड़े तौर पर पालन किया जाएए उस संबंध में चर्चा की गई।

सीमावर्ती संवेदनशील जगहों पर वाहनों की जांच पड़तालए आबकारी जांच पड़तालए कानूनी हथियार तस्करी की जांच पड़ताल तथा गैर कानूनी शराब तस्करीए नशा कारोबारए गैरकानूनी तौर पर रुपये कारोबार आदि के ऊपर रोक लगाने के लिए इस बैठक में विशेष तौर पर योजना तैयार करने के लिए चर्चा की गई।

इसके अलावा अंतर राज्य अपराधियों को दबोचने के लिए भी निर्णय ली गई है। नशीली पदार्थ की तस्करी को रोकनाएसंवेदनशील जगहों की पहचान कर ठोस कदम उठानाएचुनाव संबंधी हिंसा को रोकने के लिए विशेष योजना तैयार करने के लिए निर्णय ली गई है।

इसके अलावा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच खुफिया तथ्य आदान.प्रदान करनाए सामाजिक गण माध्यम के जरिए झूठे खबर को फैलाने को रोकनाए अंतर राज्य यूपीआई आईडी के माध्यम से रुपये कारोबार को रोकनाए साइबर अपराध को नियंत्रित करने के लिए विशेष योजना बनानाए संवेदनशील जगहों की पहचान करनाए संवदेनशील पुलिंग बूथ की पहचान कर ठोस कदम उठानाए पेशेवर अपराधियों को गिर तार करने के लिए दोनों राज्यों की पुलिस की ओर से इस बैठक में अहमियत दी गई है।

## कालबैसाखी पर लगेगा ब्रेक, फिर से तापमान में आएगा उछाल, 40 डिग्री तक पहुंच जाएगा पारा

भुवनेश्वर १५/०४ (संवाददाता): ओडिशा में कालबैसाखी पर ब्रेक लगेगा और आज से एक बार फिर तापमान बढ़ेगा। तापमान फिर से 40 डिग्री को छू जाएगा। तट के साथ.साथ आंतरिक ओडिशा में भी स्थिति अनियंत्रित होगी। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने लू न चलने पर भी असहनीय मौसम की स्थिति की भविष्यवाणी की है।

प्रदेश में लगातार तीन दिनों से चल रही कालबैसाखी के प्रभाव से गर्मी में ब्रेक लग गया था। विभिन्न जिलों में वज्रपात की घटना के साथ आंधी.तूफान से तापमान में 3 से 12 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। आज और कल केवल दक्षिण ओडिशा में हल्की वर्षा होने की संभावना है। ओडिशा के बाकी हिस्सों में मौसम मु य रूप से शुष्क रहेगा।मौसम विभाग ने कहा है कि अगले तीन दिनों में राज्य में 2 से 4 डिसे तक तापमान बढ़ेगा। 13 अप्रैल के बाद से राज्य में पछुआ हवा चलेगी और दिन का तापमान बढ़ने की स भावना है। कुछ अंदरुनी तथा पश्चिम ओडिशा में कई जिलों में 40 डिसे तक पहुंचने का अनुमान है।

## राउरकेला इस्पात संयंत्र में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस का पालन

राउरकेला १५/०४ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र14 अप्रैल को पुरे राष्ट्रन के साथ मिलकर ष्राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस का पालन किया। यह 7 से 14 अप्रैल के बीच मनाए गए अग्निशमन सेवा सप्ताह का समापन भी था । कार्यपालक निदेशक ;वर्क्स श्री एसआर सूर्यवंशी अग्निशमन सेवा विभाग के सेंट्रल फायर स्टेशन में आयोजित समारोह के मु य अतिथि थे।

कार्यपालक निदेशक ;चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा डॉ. बीण्के होता, कार्यपालक निदेशक ;कार्मिक एवं प्रशासन सह अतिरिक्त प्रभार परियोजना श्री तरूण मिश्र, कार्यपालक निदेशक ;खान श्री आलोक वर्मा, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ श्री अशोक जलवानिया मु ये महा प्रबंधक ; सेवाएं श्री एमएनवीएस प्रभाकर, महा प्रबंधक ; अग्निशमन सेवा श्री जेबी पटनायक सहित संयंत्र एवं अग्निशमन सेवा विभाग के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

कार्यपालक निदेशक ;वर्क्सर ने अग्निशमन सेवा ध्वज फहराया और गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी ली। उन्होंने अन्य गण्यमान्यों के साथ उन 66 वीर अग्निशमन सेनानियों के बलिदान को याद करने के लिए शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कीए जिन्होंने तत्कालीन बॉ बे बंदरगाह विक्टोरिया डॉक पर हुई विनाशकारी आग की घटना के दौरान जीवन और संपत्तियों को बचाने के लिए वर्ष 1944 में आज ही के दिन अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे।अपने संबोधन में कार्यपालक निदेशक ;वर्क्स ने इस वर्ष के अग्निशमन सेवा दिवस के विषय ष्अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करेंए राष्ट्र निर्माण में योगदान करेंष् पर विस्तार से प्रकाश डाला और राष्ट्र के समग्र विकास और प्रगति में अग्नि सुरक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने हाउस.कीपिंग और रखरखाव में सुधारए तेल और गैसों के रिसाव को रोकनेए एसओपीएस और एसएमपीएस का स ती से पालन करने और हर समय प्रासंगिक प्रक्रिया आदेशों का पालन करने पर जोर दियाए जो लगभग सभी आग को रोकने में मदद कर सकता है। उन्होंने इस अवसर पर अग्नि रोकथाम पर एक पुस्तिका भी जारी की। कार्यक्रम की शुरुआत ओड़िया, हिंदी और अंग्रेजी में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा संकल्पक ग्रहण के साथ हुई। गण्यमान्यों ने इस अवसर पर पूर्वायोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया।

बाद में कार्यपालक निदेशक ;वर्क्स ने औद्योगिक टाउनशिप में व्यापक जागरूकता पैदा करने के लिए अतिरिक्त माइकिंग सुविधा के साथ अग्नि सुरक्षा पर बैनर और पोस्टर वाले अग्नि सुरक्षा वाहन के काफिले को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह समारोह के दौरान आरएसपी के अग्निशमन सेवा विभाग द्वारा विभिन्न स्थानों पर कई जागरूकता कार्यक्रमए अग्निशमन प्रदर्शन, वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था। सहायक महा प्रबंधक ;अग्निशमन सेवा श्री मंगेश सोनकुसरे ने कार्यक्रम का संचालन किया।


Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/
Kalinga pg-6 for 16-APR.pmd 1 4/16/2024, 2:07 PM